सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 28 वर्ष : 01 साप्ताहिक (22 से 28 जुलाई 2026) पृष्ठ 8 मूल्य : 5/- रुपये E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

छात्र आंदोलन की बड़ी जीत! शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा

लगातार छात्र आंदोलनों और बढ़ते जनदबाव के बीच इस्तीफा, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग हुई तेज।

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
देशभर में कई सप्ताह से जारी छात्र-युवा आंदोलन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे को हाल के वर्षों में छात्रों के सबसे बड़े आंदोलनों में से एक की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। यह आंदोलन कथित परीक्षा प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग को लेकर शुरू हुआ था। लगातार बढ़ते जनदबाव और विरोध प्रदर्शनों के बाद मंत्री ने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को सौंप दिया।

आंदोलन की शुरुआत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा से जुड़ी कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के आरोपों के बाद हुई थी। छात्रों का आरोप था कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन देश के कई राज्यों तक फैल गया और इसमें बड़ी संख्या में छात्र, युवा संगठन तथा सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हो गए।

राजधानी नई दिल्ली सहित कई शहरों में लगातार धरने, रैलियां और प्रदर्शन आयोजित किए गए। कई स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति भी बनी। आंदोलन के दौरान छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, परीक्षा प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और शिक्षा मंत्रालय की जवाबदेही तय करने की मांग की।

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे में कहा कि उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए यह निर्णय लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगी और छात्रों का विश्वास दोबारा मजबूत करेगी। सरकार की ओर से अभी नए शिक्षा मंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

इस्तीफे के बाद आंदोलन का नेतृत्व कर रहे छात्र संगठनों ने इसे जनता और छात्रों की जीत बताया। आंदोलन के प्रमुख नेताओं ने कहा कि यह केवल एक मंत्री के इस्तीफे की लड़ाई नहीं थी, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही स्थापित करने का संघर्ष था। आंदोलन समाप्त करने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने उनकी प्रमुख मांगों को स्वीकार करने का आश्वासन दिया है, जिसके बाद विरोध कार्यक्रम वापस लिए जा रहे हैं।

विपक्षी दलों ने भी इस घटनाक्रम को केंद्र सरकार की बड़ी राजनीतिक चुनौती बताया। कांग्रेस सहित कई विपक्षी नेताओं ने कहा कि छात्रों की आवाज को आखिरकार सरकार को सुनना पड़ा। विपक्ष ने मांग की कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस नीति भी बनाई जानी चाहिए। दूसरी ओर, केंद्र सरकार ने कहा है कि शिक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी तथा सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे। सरकार ने परीक्षा संचालन में तकनीकी सुधार, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। साथ ही संबंधित मामलों की जांच एजेंसियों द्वारा जांच जारी रहने की बात भी कही गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम केवल एक मंत्री के इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में युवाओं की बढ़ती अपेक्षाओं और जवाबदेही की मांग का भी संकेत है। इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और सरकारी जवाबदेही पर राष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। आने वाले दिनों में सरकार द्वारा घोषित सुधारों और नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

मुंबई के भायखला पुलिस स्टेशन में लगी आग, शॉर्टसर्किट की आशंका

पहली मंजिल पर लगी आग पर दमकल ने पाया काबू, कारणों की जांच जारी।

मुंबई (राजधानी चौपाल)|
मुंबई के भायखला (पूर्व) स्थित हंसराज मार्ग पर बने भायखला पुलिस स्टेशन की इमारत में रविवार रात आग लगने से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग की सूचना रात करीब 8:24 बजे मिली, जिसके बाद दमकल विभाग, मुंबई पुलिस, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (BEST) और नगर निगम के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग पुलिस स्टेशन की पहली मंजिल तक सीमित रही। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया, जिससे किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया। इस घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। दक्षिण मुंबई के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जयंत मीणा ने बताया कि दमकल विभाग ने सफलतापूर्वक आग बुझा दी है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है। हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

घटना के दौरान पुलिस स्टेशन में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को एहतियातन सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की कई गाड़ियां और राहत दल मौके पर तैनात किए गए। अधिकारियों ने बताया कि समय पर की गई कार्रवाई के कारण आग अन्य हिस्सों में नहीं फैल सकी और पुलिस स्टेशन के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड तथा आसपास की इमारतों को भी बड़े नुकसान से बचा लिया गया।

फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग संयुक्त रूप से घटना की जांच कर रहे हैं। विद्युत प्रणाली की भी तकनीकी जांच कराई जा रही है ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जा सकें।

परीक्षा सुधारों के लिए बड़ा कदम, नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में हाई-पावर टास्क फोर्स का गठन

पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली तैयार करेगी समिति; प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापक सुधारों का किया ऐलान।

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
देश में परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इन्फोसिस के सह-संस्थापक और आधार परियोजना के प्रमुख वास्तुकार नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक हाई-पावर टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। यह समिति देश की परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधारों के लिए सुझाव देगी और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप नई प्रणाली तैयार करेगी।

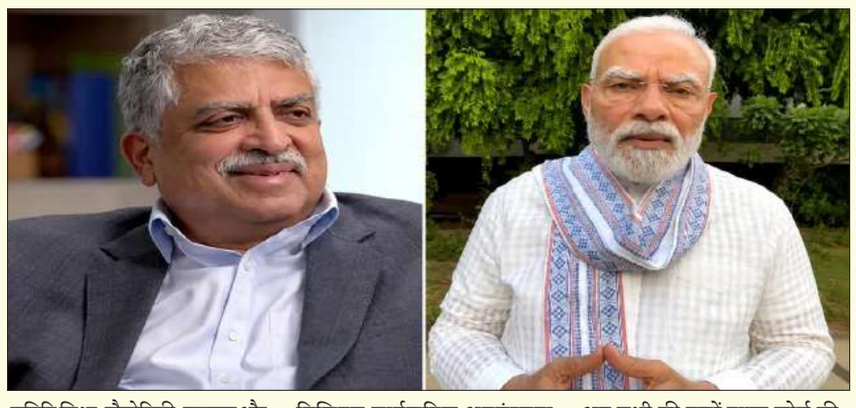

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में परीक्षा प्रक्रिया को लेकर छात्रों और अभिभावकों के बीच जो चिंताएं सामने आई हैं, उन्हें गंभीरता से लिया गया है। नई टास्क फोर्स का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित, भरोसेमंद और प्रौद्योगिकी-संचालित बनाना है। समिति डिजिटल सुरक्षा, प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, परीक्षा संचालन, मूल्यांकन प्रक्रिया तथा जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत सिफारिशें तैयार करेगी।

सरकार के अनुसार, यह उच्चस्तरीय समिति शिक्षा, प्रौद्योगिकी, प्रशासन और मूल्यांकन प्रणाली से जुड़े विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार समिति की सिफारिशों के आधार पर आवश्यक नीतिगत और कानूनी बदलाव करेगी, ताकि भविष्य में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

नंदन नीलेकणी को डिजिटल गवर्नेंस और बड़े पैमाने पर तकनीकी प्रणालियों के सफल क्रियान्वयन का व्यापक अनुभव है। आधार परियोजना और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सरकार ने उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में समिति परीक्षा प्रणाली में आधुनिक तकनीकों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुझाव देगी। शिक्षा विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा है कि यदि समिति की सिफारिशों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बन सकती है। अब सभी की नजरें टास्क फोर्स की सिफारिशों और सरकार की आगामी कार्ययोजना पर टिकी हैं।

डिजिटल सुरक्षा पर रहेगा विशेष फोकस

नई दिल्ली: परीक्षा सुधार टास्क फोर्स प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, डेटा संरक्षण और परीक्षा संचालन में आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देगी। सरकार का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), एन्क्रिप्शन और सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी तकनीकों के उपयोग से परीक्षा प्रक्रिया को अधिक विश्वसनीय बनाया जा सकता है। समिति इन विषयों पर विस्तृत सुझाव सरकार को सौंपेगी।

"हमें भविष्य के बारे में सोचना होगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था विश्वसनीय, पारदर्शी और तकनीक का अधिकतम उपयोग करने वाली बने। इसी उद्देश्य से विश्व-प्रसिद्ध प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ श्री नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई-पावर्ड टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया गया है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर हमारी परीक्षा प्रणाली को जल्द से जल्द अधिक भरोसेमंद बनाया जाएगा।"

— नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

असम में बाढ़ का कहर जारी, मृतकों की संख्या 66 पहुंची

लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित, राहत एवं बचाव अभियान तेज; केंद्र सरकार लगातार हालात पर रखे हुए है नजर।

गुवाहाटी (राजधानी चौपाल)|
असम में लगातार हो रही भारी बारिश और नदियों के उफान के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। हालांकि कुछ इलाकों में जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन अभी भी 6.5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य के कई गांव अब भी पानी में डूबे हुए हैं और हजारों परिवार राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ASDMA) के अनुसार, सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट शामिल हैं। बाढ़ के कारण सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं तथा लगभग 35 हजार

हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर सड़कें, पुल और तटबंध क्षतिग्रस्त होने से राहत सामग्री पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य सरकार, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF), राज्य आपदा मोचन बल (SDRF), सेना और स्थानीय प्रशासन संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चला रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में नावों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है तथा राहत शिविरों में भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देने का दावा कर रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ पीड़ितों के लिए ₹12 करोड़ के राहत अभियान की घोषणा की है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राज्य की स्थिति की समीक्षा करते हुए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों को तेज करने में जुटे हैं। बाढ़ का पानी धीरे-धीरे कम होने के बावजूद स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में अभी समय लग सकता है। राहत एजेंसियां लगातार प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने और जनजीवन को पटरी पर लाने के प्रयासों में जुटी हुई हैं।

लोकसभा में राहुल गांधी का सरकार पर तीखा हमला, छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह से जवाब मांगा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही उस समय बेहद गरमा गई, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार और विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ बल प्रयोग किया गया और यह लोकतांत्रिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उनके भाषण के बाद सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे कई बार हंगामे की स्थिति बनी।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि देश के युवाओं ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर आवाज उठाई थी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन को लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए कहा कि उनकी मांगों को सुनने के बजाय पुलिस कार्रवाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, उससे देश के युवाओं में असंतोष और बढ़ा है। राहुल गांधी ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध की आवाज को दबाने के बजाय संवाद स्थापित किया जाना चाहिए। अपने भाषण के दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका पर भी सवाल उठाए और कहा कि पुलिस कार्रवाई की राजनीतिक जिम्मेदारी गृह मंत्रालय की है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस पूरे मामले पर सदन में स्पष्ट जवाब दे और यह बताए कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग की आवश्यकता क्यों पड़ी। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि यदि छात्रों पर अत्यधिक बल प्रयोग हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

राहुल गांधी के भाषण पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। सरकार की ओर से इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया गया। केंद्र सरकार ने कहा कि विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। सरकार का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए केवल आंसू गैस का प्रयोग किया गया था और किसी भी प्रदर्शनकारी पर गोली या पेलेट नहीं चलाए गए। सरकार ने राहुल गांधी से अपने बयान पर माफी मांगने की भी मांग की। से संबंधित विधेयक पर भी चर्चा हुई। सरकार ने सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए सख्त कानूनों की आवश्यकता पर जोर दिया, जबकि विपक्ष ने कहा कि केवल कानून बनाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और युवाओं के विश्वास को बहाल करना भी उतना ही आवश्यक है। संसद में हुई इस बहस ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षा, युवाओं के अधिकार और लोकतांत्रिक विरोध जैसे मुद्दे राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में बने हुए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का आगे क्या जवाब देती है और क्या छात्र आंदोलनों से जुड़े विवादों पर कोई ठोस समाधान निकल पाता है।

समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर भाजपा बनी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी : कैलाश विजयवर्गीय

हिसार (राजधानी चौपाल)|
मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित, अनुशासित और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने वाले कार्यकर्ता हैं। उनके अथक परिश्रम और सेवा भावना के कारण ही भाजपा आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभरी है।
कैलाश विजयवर्गीय भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है और देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का

आह्वान किया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करें तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र 'सेवा, संगठन और समर्पण' है और प्रत्येक कार्यकर्ता इसी भावना के साथ जनता के बीच कार्य कर रहा है।
भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि वरिष्ठ नेता कैलाश विजवर्गीय हिसार में गोभक्त नंदकिशोर गोयनका के निधन पर शोक जताने आए थे। इससे पूर्व भाजपा जिला कार्यालय पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, मेयर प्रवीन पोपली, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर कैलाश विजयवर्गीय का स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता, धर्मवीर पानू, अमर पातड़, सुरेश जांगड़ा, नरेश नैन, दीपक अग्रवाल, सुरेंद्र सैनी, रंजीव राजपाल, बलबीर भुंबक, अजय गावड़, मुकेश बंसल, राजकुमार इंदौरा, महेश महता व गगन शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं शामिल रहे।

आयकर दिवस के उपलक्ष्य में हिसार आयकर कार्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का उत्साहपूर्वक आयोजन

हिसार (राजधानी चौपाल): आयकर विभाग के 166वें स्थापना दिवस को "आयकर दिवस" के रूप में पूरे देश के साथ-साथ हिसार आयकर कार्यालय में भी बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम प्रधान आयकर आयुक्त, हिसार सुरेंद्र पाल के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयकर आयुक्त (अपील) हिसार रौशनता कुमारी मीना ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत गुब्बारा विमोचन के साथ हुई। विश्व शांति, सौहार्द एवं सद्भावना का संदेश देते हुए सफेद एवं नीले रंग के गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। इसके पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा कार्यालय के आसपास उपस्थित लोगों के बीच मिठाई का वितरण किया गया। दिवस के उपलक्ष्य में निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, कविता लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर सहायक आयकर आयुक्त आर. के. मुंजाल सहित आयकर अधिकारी वासुदेव शर्मा, आयकर अधिकारी सुरेश नांगरू, राजेंद्र सिंह, संजीव खन्ना, कृष्ण सैनी, प्रशासनिक अधिकारी विजय कुमार, प्रशासनिक अधिकारी राम कुमार, अमित जैन, जॉनी मदान एवं निरीक्षक पंकज कुमार, सतीश कुमार, रविंद्र बामल, मीनू गिरधर, चन्द्र शेखर, सवदीप, दीपक गोयत, राय सिंह, रोहित कुमार*, वीरेंद्र रेवार, रेनू, मनबीर, प्रवीण कुमार, संदीप कुमार तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आयकर विभाग की गौरवशाली परंपरा, करदाताओं के प्रति आभार एवं राष्ट्र निर्माण में विभाग की प्रतिबद्धता का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

समाज सेवकों की आध्यात्मिक जागृति से होगा विश्व परिवर्तन

हिसार (राजधानी चौपाल) ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग द्वारा 23 से 27 सितंबर 2026 तक राजस्थान के माउंट आबू स्थित अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में 'आध्यात्मिक जागृति द्वारा विश्व परिवर्तन' विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर से समाज सेवक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी तथा जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तित्व भाग लेंगे। ब्रह्माकुमारीज हिसार सेवा केंद्र की संचालिका राजयोगिनी बी.के. रमेश बहन ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान समय में समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में आध्यात्मिकता के माध्यम से समाज और विश्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने के विभिन्न आयामों पर मंथन किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान अनुभवी वक्ताओं द्वारा समाज सेवा, नेतृत्व, मानवीय मूल्यों, तनावमुक्त जीवन, नशामुक्ति, पारिवारिक सद्भाव तथा राष्ट्र निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि समाज सेवक यदि स्वयं आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनें तो वे समाज में अधिक प्रभावी ढंग से सेवा कार्य कर सकते हैं और लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। सम्मेलन का उद्देश्य समाज सेवा को आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ते हुए विश्व शांति, सद्भाव और मानवीय मूल्यों की स्थापना की दिशा में जन-जागरण करना है। बी.के. रमेश बहन ने हिसार एवं आसपास के क्षेत्रों के समाज सेवकों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा सेवा कार्यों से जुड़े सभी लोगों से इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए पूर्व पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र, हिसार से संपर्क कर समय रहते अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं।

परिवहन मंत्री के घेराव में हिसार डिपो से सैकड़ों कर्मचारी होंगे शामिल : सांझा मोर्चा

हिसार (राजधानी चौपाल) हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों के सांझा मोर्चा के आह्वान पर 25 जुलाई को अंबाला कैंट में प्रस्तावित परिवहन मंत्री के घेराव में हिसार डिपो से सैकड़ों चालक, परिचालक एवं अन्य कर्मचारी भाग लेंगे। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ रोष जताते हुए बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल होने का निर्णय लिया है।

सांझा मोर्चा के नेताओं ने बताया कि कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी के विरोध में प्रदेशभर के रोडवेज कर्मचारी अंबाला कैंट में एकत्र होकर परिवहन मंत्री का घेराव करेंगे। उन्होंने दावा किया कि हिसार डिपो से भी बड़ी संख्या में कर्मचारी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे।

सांझा मोर्चा से जुड़ी यूनियनों के प्रधान संदीप जैनावास, कर्मबीर मसूदपुर, अजय दुहन, राजेश सेलवाल, अरुण शर्मा, अनूप श्योकंद, जितेंद्र शर्मा, पवन कनोह, नरेंद्र खरड़ व अमित जुगलान ने बताया कि कर्मचारियों की सभी मांगें पूरी तरह जायज़ हैं, लेकिन लंबे समय से उनकी अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और अधिक व्यापक किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में भर्ती चालकों को उनकी ज्वाइनिंग तिथि से नियमित (पक्का) करना, समाप्त की गई छुट्टियों को पुनः लागू करना, हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के तहत कार्यरत परिचालकों को नियमित करना, जोखिम भत्ता लागू करना, नई पेंशन योजना (एनपीएस) के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के दायरे में लाना, वर्ष 2018 में भर्ती डी-ग्रुप कर्मचारियों को कॉमन कैडर से बाहर करना, चालक, परिचालक एवं क्लर्क का पे-ग्रेड बढ़ाना, रात्रि भत्ता स्वीकृत करने के अधिकार पूर्व व्यवस्था के अनुसार महाप्रबंधकों को वापस देना, वर्षों से लंबित बोनस का भुगतान करना तथा ड्यूटी के दौरान चालक-परिचालकों के साथ मारपीट या अभद्रता की घटनाओं में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना शामिल है।

ओबीसी आरक्षण २७% करने, बैकलॉग पद भरने और क्रीमीलेयर सीमा १६ लाख रुपये करने की उठी मांग; विधायक चंद्रप्रकाश ने संगठन को मजबूत बनाने का किया आह्वान।

जींद में कांग्रेस का ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन, पिछड़ा वर्ग के अधिकारों को लेकर सरकार पर साधा निशाना

हिसार (राजधानी चौपाल) एकता से संगठन-संगठन से सशक्तीकरण के नारे के साथ ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से ओबीसी वर्ग से जुड़े साथियों व कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जींद के गांधी नगर में स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित किए गए ओबीसी कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन व विधायक चंद्रप्रकाश मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी जींद के जिला अध्यक्ष ऋषि पाल सिहाग, पूर्व विधायक सुभाष गंगोली, सांसद प्रतिनिधि वजीर गंगोली, पूर्व प्रधान ओबीसी हरियाणा लोकीराम प्रजापति, संजय जागलान, जितेंद्र जांगड़ा, संदीप वर्मा, वजीर मास्टर, संदीप पांचाल, रमेश जोगी व मंजीत सैनी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इनके साथ ही इंद्र सिंह, सरदार नरवेल सिंह, रविंद्र शास्त्री, नरेश जांगड़ा, चंद्रभान जांगड़ा, सुभाष सैनी, डॉ. रमेश पांचाल, रणबीर भुसलाना, जगदीश पांचाल, जसवंत पांचाल, हरपाल पांचाल, श्रवण, विजय जांगड़ा, जोगिंद्र जांगड़ा, किरण सैनी, मदन पांचाल, संजय जागलान, प्रेम जांगड़ा, राजू लखिया, दया किशन बघेल, मदन पांचाल, संदीप जांगड़ा, राममेहर जांगड़ा, राजेंद्र वशिष्ठ, कृष्ण जांगड़ा, सतेंद्र जांगड़ा, बाला, राजकुमारी, कमल चौहान व राजा कंडेला भी उपस्थित रहे।

जींद के कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचने पर विधायक चंद्रप्रकाश का फूल मालाएं व पगड़ी पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया। बहुत से कार्यकर्ताओं ने स्मृति चिह्न प्रदान करके उन्हें सम्मानित किया। कार्यकर्ताओं का उत्साह देखकर चंद्रप्रकाश ने कहा कि इसी उत्साह व जोश के साथ आगे बढ़ने के लिए पिछड़ा वर्ग को हर क्षेत्र में सशक्त करना होगा।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और ओबीसी समाज का बड़ा ही मजबूत रिश्ता है। कांग्रेस ने हमेशा पिछड़े वर्गों के हितों के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया है और ओबीसी समाज ने कांग्रेस को मजबूती प्रदान की है। दरअसल यह आपसी विश्वास और सम्मान का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व न्याययोद्धा राहुल गांधी ने सडक़ से संसद तक पिछड़े वर्ग, शोषित, गरीब, मजदूर व किसान के हितों की आवाज बुलंद की है। इसलिए उनके मार्गदर्शन में ओबीसी समाज के राजनैतिक, सामाजिक व आर्थिक सशक्तीकरण के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि झूठे व बड़े-बड़े दावे करके भाजपा सरकार ने पिछड़े वर्गों के वोट तो हासिल कर लिए लेकिन उनके लिए कोई प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा पीछे छकेलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में पिछड़े वर्गों की हितैषी है तो उसे गजटिड क्लास में नौकरियों का आरक्षण जो हरियाणा में 15 प्रतिशत है उसे बढ़ाकर 27 प्रतिशत करना चाहिए। ओबीसी समाज के लिए आरक्षित सैकड़ों खाली बैकलॉग पदों को तुरंत भरना चाहिए और एचकेआरएन में

आरक्षण नीति को पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए। इसके साथ ही ओबीसी के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए समुचित निशुल्क सुविधाएं दी जानी चाहिए।

चंद्रप्रकाश ने सरकार से मांग की कि ओबीसी समाज के लिए क्रीमीलेयर की आय सीमा 8 लाख से बढ़ाकर 16 लाख रुपये प्रतिवर्ष की जाए और किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर कामगारों के लिए कामगार क्रेडिट कार्ड की सुविधा दी जाए। केश कला बोर्ड व माटी कला बोर्ड की तरह अति पिछड़ा वर्ग समाज की अन्य जातियों के कामगारों के लिए भी ऐसे ही बोर्ड का गठन किया जाए। ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों में ओबीसी के आरक्षण को बढ़ाया जाए।

विप्र ज्योति कल्याण समिति द्वारा भाषण प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने दिए राष्ट्र निर्माण के प्रेरक संदेश

हिसार (राजधानी चौपाल) विप्र ज्योति कल्याण समिति के तत्वावधान में ब्राह्मण धर्मशाला, जहाजपुल, हिसार में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की याद में विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा प्रभावी वक्तृत्व कला का विकास करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सत्यनारायण शर्मा (अधिवक्ता एवं समाजसेवी) ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिसाल सिंह (भट्ठा उद्योग) ने की। विशिष्ट अतिथियों में रत्नलाल शर्मा (प्रधान, जिला ब्राह्मण सभा), राजकुमार भारद्वाज (पूर्व प्रधान, जिला ब्राह्मण सभा), पृथ्वी घिराईया (पूर्व प्रधान, जिला ब्राह्मण सभा), रामप्रकाश वत्स (शिव शक्ति भट्ठा उद्योग), प्रदीप शर्मा (पूर्व कार्यकारी अभियंता) तथा बीरबल शर्मा (पूर्व सरपंच) विशेष रूप से उपस्थित रहे। समिति के प्रधान मास्टर हवासिंह शर्मा, महासचिव जगदीश शास्त्री, डॉ. सत्यनारायण शर्मा तथा प्राचार्य सुनील दत्त शर्मा ने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन समिति के संगठन सचिव आचार्य पवन वत्स ने किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 38 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए सदाचार, नशा मुक्ति, मोबाइल के लाभ एवं हानि, नैतिकता, अधिकार एवं कर्तव्य तथा समय का महत्व जैसे समसामयिक और प्रेरणादायक विषय निर्धारित किए गए थे। विद्यार्थियों ने अपने ओजस्वी एवं तर्कपूर्ण भाषणों से उपस्थित जनसमूह को प्रभावित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत माँ सरस्वती वंदना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं प्रेरणादायक बना दिया। निर्णायक मंडल में डॉ. सत्यपाल शर्मा (सेवानिवृत्त वरिष्ठ अभियंता, बिजली विभाग) तथा वेद प्रकाश शर्मा (सेवानिवृत्त प्राचार्य) ने निष्पक्ष मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया।

प्रतियोगिता के परिणामों में ठाकुरदास भार्गव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्रा हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बी.आर.एम. गौड़ हाई स्कूल की छात्रा चेतना द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि कुमारी कल्पि ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विजेता विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन युवाओं के लिए त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। अध्यक्ष रिसाल सिंह ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को निखारने का सशक्त माध्यम हैं।

इस अवसर पर रामस्वरूप पारीक, धीरज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (पीएनबी), प्राचार्य बंता सिंह, राधेश्याम शर्मा, सुन्दर सिंह घिराईया, एस.सी. शर्मा, हवासिंह शर्मा, जगदीश घिराईया, जगदीश शास्त्री, डॉ. सत्यनारायण शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर रक्तदान शिविर, 54 यूनिट रक्त संग्रहित

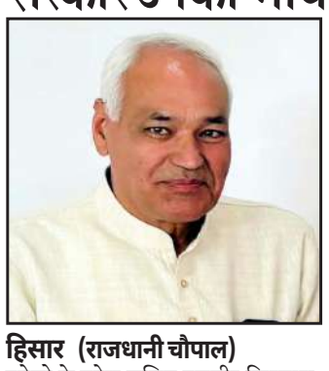

, d ;fuVjä fdlht :jren0;fä dkn ldrku;k thou%etj

हिसार (राजधानी चौपाल) अमर शहीद क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर जिले के गांव महलसरा में शहीद भगत सिंह युवा क्लब की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिविल अस्पताल हिसार की ब्लड बैंक टीम ने रक्त संग्रहण किया। ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए आपात आवश्यकता के मद्देनजर इस शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाई।

शिविर में समाजसेवी मेजर नरोत्तम बिश्नोई मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है, इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। शहीद भगत सिंह युवा क्लब के सदस्य सुरेश गोदारा बॉक्सर ने बताया कि ब्लड बैंकों में रक्त की भारी कमी को देखते हुए मात्र दो दिनों की तैयारी में इस शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने बाहर से आए सभी अतिथियों, रक्तदाताओं तथा सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान डॉ. ओमप्रकाश ने 54वीं बार रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्लब प्रधान राजीव पूनिया, सरपंच प्रतिनिधि नरेश शर्मा, राजेंद्र फौजी, अजय गोदारा, विकास पूनिया, लोकराज, राजकुमार पूनिया, सुरेश सूली, राहुल, यश, कृष्ण शर्मा, सीटू, गौशाला प्रधान बलबीर गोदारा, डॉ. सुंदर सहित अनेक युवा साथी एवं रक्तदाता उपस्थित रहे।

पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का आंदोलन पूरी तरह जायज, सरकार उनकी भावनाओं का सम्मान करे : दलबीर किरमारा

हिसार (राजधानी चौपाल) इनेलो के प्रदेश सचिव दलबीर किरमारा ने कहा है कि देशभर में पेपर लीक की घटनाओं के विरोध में छात्र वर्ग द्वारा किया जा रहा आंदोलन पूरी तरह न्यायसंगत है। सरकार को छात्रों की भावनाओं को समझते हुए उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए है। दलबीर किरमारा ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा प्राप्त करना बेहद महंगा हो चुका है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों और उनके परिवारों की वर्षों की मेहनत, समय और लाखों रुपये खर्च होते हैं। ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं होती हैं और परीक्षाएं रद्द करनी पड़ती हैं, तो सबसे अधिक नुकसान मेहनतकश और ईमानदार छात्रों को उठाना पड़ता है। बार-बार परीक्षा देना हर छात्र के लिए आर्थिक और मानसिक रूप से संभव नहीं होता। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि छात्र सरकार की गलत नीतियों और परीक्षा प्रणाली में व्याप्त खामियों के खिलाफ अपनी आवाज उठा रहे हैं। ऐसे समय में समाज के हर वर्ग को छात्रों का साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन को आपसी झगड़े, वैमनस्य या टकराव का रूप नहीं दिया जाना चाहिए। सभी को भाईचारा बनाए रखते हुए छात्रों के शांतिपूर्ण संघर्ष का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि यह लड़ाई केवल छात्रों की नहीं बल्कि देश के भविष्य की है।

नेलो नेता दलबीर किरमारा ने केंद्र सरकार से मांग की कि छात्रों की भावनाओं का सम्मान करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सरकार वास्तव में युवाओं के हितों के प्रति गंभीर है तो उसे जवाबदेही तय करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और छात्रों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का भरोसा दिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में इनेलो हमेशा युवाओं और छात्रों के हितों की आवाज उठाती रही है और आगे भी उनके न्यायपूर्ण संघर्ष में मजबूती से साथ खड़ी रहेगी।

गांव मैयड में पानी की समस्या पर प्रशासन ने लिया संज्ञान, 25 जुलाई का मटका फोड़ प्रदर्शन फिलहाल स्थगित

हिसार (राजधानी चौपाल) गांव मैयड़ में लंबे समय से बनी पेयजल संकट की समस्या को लेकर 25 जुलाई को प्रस्तावित मटका फोड़ प्रदर्शन से पहले ही प्रशासन और सरकार ने संज्ञान लेते हुए ग्रामीणों से वार्ता की। सकारात्मक बातचीत और शीघ्र समाधान के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने फिलहाल आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव की एकजुटता और आंदोलन की चेतावनी को देखते हुए जल विभाग के अधीक्षक अभियंता (एस.ई.) ने गांव के गणमान्य लोगों की कमेटी को वार्ता के लिए बुलाया। इसके बाद हरियाणा सरकार में मंत्री रणबीर गंगवा के पुत्र संजीव गंगवा ने भी ग्रामीण प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें प्रशासन ने जल्द से जल्द गांव की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान का भरोसा दिलाया। किसान नेता जोगेंद्र मैयड़ ने बताया कि ग्रामीणों ने प्रशासन के आश्वासन पर विश्वास जताते हुए 25 जुलाई को प्रस्तावित मटका फोड़ प्रदर्शन को स्थगित किया है, लेकिन आंदोलन समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि प्रशासन अपने वादे से पीछे हटता है या समस्या का समाधान समय पर नहीं करता, तो पूरा गांव पुन: एकजुट होकर न केवल प्रदर्शन करेगा बल्कि इससे भी बड़ा और कठोर आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। उन्होंने कहा कि गांव मैयड़ पिछले काफी समय से पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। पेयजल की अनियमित आपूर्ति के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले लगभग 24 वर्षों से गांव की बिजली आपूर्ति हिसार कैंट फीडर से होती रही है, लेकिन अब इसे खरड़ फीडर से जोड़ दिया गया है, जिसका गांव में व्यापक विरोध हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की लगभग आधी जमीन हिसार आर्मी कैंट के निर्माण के लिए दी गई थी, इसलिए गांव की बिजली आपूर्ति पहले की तरह हिसार कैंट फीडर से ही बहाल की जानी चाहिए। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि पानी और बिजली दोनों समस्याओं का शीघ्र एवं स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार के आंदोलन की आवश्यकता न पड़े।

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि विकास, बलदेव भाखर, धर्मपाल, मास्टर रमेश, मास्टर मनदीप, गोलू, रामकिशन, अरविंद शर्मा, बलवान वाल्मीकि, रामनिवास नायक, अनुज छोटा नंबरदार, सुरेश लाला, आदेश, दलवीर बिडासरा, सील नाई, नरेंद्र दूत सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनसेवा, सुशासन और विकास की राजनीति के सिद्धांतों पर कार्य कर रही भाजपा सरकार : रणबीर गंगवा

हिसार (राजधानी चौपाल) कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अशोक मित्तल का कुशलक्षेम जाना। मंत्री के आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनसेवा, सुशासन और विकास की राजनीति के सिद्धांतों पर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। रणबीर गंगवा ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और जनसेवा की भावना के कारण ही पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल ने कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का कार्यालय पहुंचने पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है, जिससे संगठन और अधिक मजबूत होता है। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, सेक्टर-33 के प्रधान धर्मबीर पानू, अरुण जैन, ब्रह्म यादव, प्रवीन केडिया, राजेश राजू व ज्ञानचंद खट्टर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अब देश के टॉप कालेज में एमबीबीएस करेगा कुनाल

पवन मित्तल के पुत्र कुनाल मित्तल ने नीट की परीक्षा में पाया 3454वां रेंक

हिसार (राजधानी चौपाल) मन में कुछ करने का जज्बा हो तो कामयाबी खुद ब खुद चलकर आती है। ऐसा ही कर दिखाया है समाचार पत्र वितरक पवन मित्तल के पुत्र कुनाल मित्तल ने। पवन मित्तल पिछले 30 वर्षों से समाचार वितरक का कार्य कर अपने परिवार का गुजर-बसर कर रहे हैं। गत दिवस आये नीट परीक्षा के परिणाम में पवन मित्तल के पुत्र कुनाल ने अपनी मेहनत के बलबूते पर आल इंडिया रेंकिंग में 3454वां रेंक व कैटेगरी रेंक में 319वां स्थान पाया है। परीक्षा में 20 लाख छात्रों ने भाग लिया। होनहार बेटे की काबलियत से पूरा परिवार खुश है। अब कुनाल मित्तल देश के टॉप कालेज में दाखिला लेकर एमबीबीएस की पढ़ाई करेगा और डॉक्टर बनकर अपना व परिवार का नाम रोशन करते हुए समाज की सेवा करेगा।

कुनाल ने अपनी इस कामयाबी पर कहा कि उसने हर रोज 14 से 15 घंटे पढ़ाई की व मोबाइल से दूरी बनाये रखी। कहीं आना-जाना भी बहुत कम कर रखा था। बस टारगेट यही था कि कड़ी परिश्रम करके नीट की परीक्षा पास करनी है। यहां

उल्लेखनीय है कि समाचार वितरक का काम करते हुए पवन मित्तल व धर्मपत्नी शिल्पा ने अपने दो बेटो व एक बेटी को इस कद्र काबिल किया कि बेटी रिम्पी आज पंजाब नेशनल बैंक में एग्रीकल्चर ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। दामाद अंशुल बंसल भी कैनरा बैंक में अस्सिटेंट मैनेजर के रुप में सेवाएं दे रहे हैं। एक बेटा अब डॉक्टरी करेगा तो दूसरा बेटा साहिल मित्तल नोएडा से अंतिम वर्ष की कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। बच्चों की कामयाबी पर खुश होकर आस-पड़ौस के अलावा रिश्तेदार व मित्रगण बधाई दे रहे हैं।

2 फोटो कैप्शन : कुनाल मित्तल का मुंह मीठा करवाते पिता पवन मित्तल व माता शिल्पा।

एक नजर

पेपर लीक पर मोदी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे

युवाओं के कल्याण और भविष्य से बढ़कर कुछ नहीं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) पेपर लीक मामले को लेकर हो रहे व्यापक प्रदर्शनों के बीच सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कहा है कि पेपर लीक के दोषियों को जल्द कठोर दंड देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, मामले के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गये हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। मोदी ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जौनपुर के 6 सहायक अध्यापकों की नियुक्ति अवैध करार

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल) महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जौनपुर में सहायक अध्यापक पद पर हुई छह नियुक्तियों को अवैध करार दिया है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने यह आदेश दिया है। यह मामला 2006 से लंबित था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इन छह शिक्षकों की नियुक्ति बिना किसी स्वीकृत पद के, कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए की गई थी ,जिसके चलते राजकीय कोष से करीब 2,74,030 रुपये का भुगतान हुआ। अदालत ने मूल अभिलेख तलब कर जांच कराने के निर्देश दिए थे। 2011 में हुई जांच रिपोर्ट में भी इन नियुक्तियों को फर्जी बताया गया था, हालांकि मूल रिकॉर्ड बाद में गुम हो गए। हाल ही में अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (बेसिक), उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा कराई गई ताजा जांच में भी पुष्टि हुई कि नियुक्तियां कानून सम्मत प्रक्रिया के तहत नहीं हुई थीं। इसके आधार पर कोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए संबंधित प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रतिवादी संख्या 7 से 12 को कोई भी सेवा लाभ न दिया जाए, क्योंकि उनकी नियुक्तियां अवैध पाई गई हैं।

नीट मुद्दे पर सरकार विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए है तैयार : नितिन नवीन

दिल्ली (राजधानी चौपाल)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने कांग्रेस और अन्य विपक्ष दलों को नीट मुद्दे पर संसद में चर्चा करने की चुनौती देते हुए कहा है कि सरकार उनके हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्री नवीन ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि जैसे ही वे सदन में आएंगे, देश की जनता और युवाओं के सामने उनका दोहरा चरित्र पूरी तरह से उजागर हो जाएगा। उन्होंने कहा, "हम पूरे विपक्ष को खुली चुनौती देते हैं। आइए, सदन में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) समेत छात्रों और युवाओं से जुड़े हर मुद्दे पर खुली चर्चा करें। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार हर विषय पर बातचीत करने और हर सवाल का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।" उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी और विपक्ष का राजनीतिक इतिहास चर्चा से बचने का रहा है। इसीलिए, सदन में बहस का सामना करने के बजाय वे इससे भागते हैं।

मुख्यमंत्री ने जिला स्तरीय वन महोत्सव पौधारोपण अभियान का भी किया शुभारंभ

CM ने जिला लोक संपर्क समिति की बैठक मे सुनी शिकायतें, किया निपटारा

- बैठक में 18 परिवादों का किया गया समाधान

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को सिरसा में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों की सुनवाई की। बैठक में रखी गई 19 शिकायतों में से 18 का मौके पर समाधान व निपटान किया गया, जबकि एक शिकायत को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया। बैठक में ओडिशा के पूर्व गवर्नर प्रो. गणेशी लाल भी उपस्थित रहे। गांव गंगा निवासी परमजीत सिंह की शिकायत थी कि गांव झुट्टीखेड़ा निवासी सुल्तान सिंह की 11 जून 2000 को मृत्यु हो चुकी है और उनकी कोई शादी नहीं हुई थी, उनकी 40 कनाल एक मरला जमीन को फर्जी वसीयत से नाम करवा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में विजिलेंस से जांच करवाने के निर्देश दिए हैं, इससे पहले इस मामले की जांच जिला राजस्व अधिकारी द्वारा की गई थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोलर पैनल लगाने वाली एमएस सोम कॉर्पोरेशन हिसार द्वारा स्थापित सोलर पैनलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री के संज्ञान में यह मामला सिरसा में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में गांव गुड़िया खेड़ा के विनोद कुमार की ओर से रखा गया, जिसमें बताया कि 18 दिसंबर 2024 को आवेदन किया था। इस कंपनी ने अदायगी के बाद भी उसके सोलर पैनल नहीं लगाए और न ही राशि वापस लौटाई। बैठक में इसी कंपनी के खिलाफ गलत सोलर पैनल संबंधी अन्य शिकायतें भी आई ।

मुख्यमंत्री ने मारपीट के मामले में थाना रानियां के ढाणी सतनाम निवासी

कमलेश कौर की शिकायत पर दोषी पुलिस कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कमलेश कौर ने बताया कि उनके ऊपर हमला हुआ था और इस मामले में दूसरे पक्ष से पंचायत ने समझौता दिखाया गया और इस समझौते में उनके नाबालिग बच्चे के हस्ताक्षर करवाए गए। मुख्यमंत्री ने नाबालिग बच्चे से समझौते पर हस्ताक्षर करवाने को गंभीर माना और कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बैंक द्वारा राशि काट लेने के बावजूद मुआवजा न देने के मामले में बैंक के खिलाफ कार्रवाई और ब्याज सहित राशि देने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में रूपावास निवासी सुशील कुमार ने शिकायत दी थी कि वर्ष 2022 रबी फसल के लिए बीमा राशि काट ली गई लेकिन बीमा क्लेम दिया गया। जिला भिवानी के गांव बड़सी निवासी अनूप सिंह की शिकायत थी कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग से बीएलईओ शमशेर सिंह 31 मार्च 2019 को सेवानिवृत्त हुए और 27 नवंबर 2024 को कैंसर से उनका देहांत हो गया तथा वे अविवाहित थे और उनकी मां विद्या देवी उन्हीं की पेंशन पर आश्रित है। महालेखाकार को पेंशन संबंधी दस्तावेज भेजने थे, परंतु एसडीओ ने स्थानीय स्तर पर ही केस रिजेक्ट कर दिया। मुख्यमंत्री ने इस मामले में जांच करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने सेक्टर 21 में फ्लैट अलॉट होने के मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए है। शिकायत विजय कुमार निवासी आनंद विहार की ओर से रखी गई कि उसे फ्लैट अलॉट हुआ था, पहले 55 हजार रुपये भरवाए गए और फिर एक लाख 30 हजार रुपये भरवाए गए, इसके बाद अलॉटमेंट लेटर जारी कर दिया गया और उसे भौतिक कब्जा नहीं मिला और न ही मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है।

दिव्यांगों को नए नोटिफिकेशन से मिलेगी पेंशन

गांव पोहडकां निवासी रामपाल की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के दिव्यांगों के लिए दिव्यांगता श्रेणी के प्रमाणपत्र में परिवार की आय के मामले में नया नोटिफिकेशन हो गया है, जिसके अनुरूप बढी हुई आय के अनुसार पेंशन का लाभ मिलेगा। कल्याण नगर निवासी रूप चंद ने शिकायत की कि उसने 2021 में रामजी लाल से जमीन खरीदी थी, जिस पर ट्यूबवेल लगा हुआ है, जबकि ट्यूबवेल कनेक्शन किसी ओर के नाम पर है, यह ट्यूबवेल कनेक्शन उसके नाम किया जाए। जबकि जिसके नाम कनेक्शन है, वह उसे बंद नहीं करवाना चाहता। मुख्यमंत्री ने दूसरे की जमीन पर ट्यूबवेल कनेक्शन देने के मामले में तत्कालीन अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई व एडीसी को जांच करने के निर्देश दिए हैं। निगम के अधीक्षण अभियंता ने माना कि वर्ष 2010 में कनेक्शन देते समय चूक हुई। मुख्यमंत्री ने दोनों किसानों को अलग-अलग कनेक्शन देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने गांव छतरियां के किसान महेंद्र व अन्य की शिकायत पर एडीसी को जांच के निर्देश दिए। इसी तरह मंडी डबवाली निवासी सुखदेव सिंह व रूप चंद की शिकायत पर पुलिस को कार्रवाई करने को कहा।

बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय भ्रमण पर ले जाएगी हरियाणा सरकार: सैनी

- रोहतक में मुख्यमंत्री ने सभी जिलों से आए मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए हरियाणा सरकार प्रतिभावान, संस्कारवान, ज्ञानवान, कुशल युवाओं की एक नई पीढ़ी तैयार कर रही है। इसी उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान, तकनीकी दक्षता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकार ने एक ऐसी योजना तैयार की है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय भ्रमण पर ले जाया जाएगा, जिससे कि उनका दृष्टिकोण और बौद्धिक विकास हो सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के राधाकृष्णन सभागार में

आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित की गई दसवीं, बारहवीं व ओलंपियाड में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल एक डिग्री धारण करना नहीं है, शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो कि एक युवा को इस योग्य बनाए कि वह नौकरी मांगने वाला नहीं, अपितु स्वयं रोजगार का सृजन करने में सक्षम बन सके। प्रदेश के सभी जिलों से आए मेधावी विद्यार्थियों को उन्होंने कहा कि यह मंजिल नहीं, लंबी यात्रा का पड़ाव है। अभी उन्हें और ऊंचाइयों को छूना है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि डिजीटल शिक्षा, एआई, रोबोटिक व इसरो, डीआरडीओ आदि की नई तकनीक बच्चों को सिखाने के लिए सरकारी स्कूलों में 391 एसटीईएम लैब स्थापित की जा चुकी हैं। राज्य के 250 विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब 25 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित की जा रही हैं। प्रदेश में हर दस किलोमीटर की दूरी पर राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय स्थापित किए गए हैं। आज प्रदेश में 468 पीएम श्री व मॉडल संस्कृति विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। राज्य में 250 उत्कृष्ट विद्यालय स्थापित किए जाएंगे, जिनमें हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यम से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है इस बात की कि आज 103 सरकारी स्कूलों में मिशन बुनियाद व सुपर 100 कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आईआईटी, एनआईटी व आईआईएम में 277 विद्यार्थियों को दाखिला मिला है तथा 61 बच्चे मेडिकल कॉलेज की पढ़ाई कर रहे हैं।

हरियाणा के हर जिले में खुलेगा स्टार्टअप्स का द्वार

- युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का बनेगा मजबूत आधार : मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'हरियाणा विजन@2047' को धरातल पर उतारने के लिए सरकार प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के हर जिले में स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया जाए और नया व्यवसाय शुरू करने में उद्यमियों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अड़चन नहीं आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री सिविल सचिवालय में 'हरियाणा विजन@2047' के तहत 'विजन -टू-एक्शन प्लान' को लेकर एमएसएमई, उद्योग, स्टार्टअप और एचएसआईआईडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरवाला क्षेत्र में एक विशेष वुडन जोन व वुडन मार्केट बनाकर वहां आधुनिक शोरूम विकसित किए जाएं। इससे स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि कैलेंडर बनाकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्वदेशी मेलों का आयोजन किया जाए। इसके अतिरिक्त, राखी बनाने के उद्योग में स्वयं सहायता समूहों को व्यापक स्तर पर शामिल किया जाए और उनके उत्पादों की वैश्विक बिक्री के लिए उन्हें वॉलमार्ट, एमेजॉन जैसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के साथ जोड़ा जाए।

व्यापार को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य में 'राज्य नवाचार एवं एमएसएमई परिषद' तथा 'स्टार्टअप एडवाइजरी काउंसिल हरियाणा' का गठन किया जाएगा। पुनर्गठित सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम के माध्यम से व्यावसायिक स्वीकृतियों का समय 45 दिनों से घटाकर 30 दिन किया जाएगा, जिसे आगे चलकर 50 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य है। हर जिले में स्टार्टअप्स को हैंड होल्डिंग सहायता देने के लिए समर्पित 'स्टार्टअप संपर्क अधिकारी' तैनात किए गए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य की प्रतिष्ठित 'पद्मा' योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में 10 नए औद्योगिक क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए वृद्धि पूंजी सुनिश्चित करने हेतु 2,000 करोड़ रुपये का 'हरियाणा स्टार्टअप फंड ऑफ फंड्स' स्थापित किया जा रहा है, जबकि 250 करोड़ रुपये का 'आत्मनिर्भर स्टार्टअप वेंचर फंड' पहले ही शुरू किया जा चुका है। बैठक में जानकारी दी गई कि कौशल विकास विभाग के साथ मिलकर 100 उच्च क्षमता वाले ग्रामीण क्षेत्रों (जैसे हिसार में बीड्स निर्माण, पानीपत में हथकरघा, करनाल में कृषि उपकरण व डेयरी, यमुनानगर में पॉटरी) की पहचान कर विशेष कौशल केंद्र खोले जाएंगे।

भारत ने जन-केंद्रित नीतियों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के माध्यम से व्यापक सुधार किये : नड्डा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि मजबूत एवं समावेशी स्वास्थ्य व्यवस्था सतत विकास की आधारशिला है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जन-केंद्रित नीतियों, डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के माध्यम से व्यापक सुधार किये हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के तहत चंडीगढ़ में आयोजित 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक आज सफलतापूर्वक संपन्न हो गयी।

इस मौके पर श्री नड्डा ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक टीबी बोझ का लगभग आधा हिस्सा साझा करते हैं, इसलिए ब्रिक्स टीबी रिसर्च नेटवर्क को और मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने डिजिटल हेल्थ, मेडिकल प्रोडक्ट रेगुलेशन, महामारी की पूर्व चेतावनी प्रणाली और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली नयी पहलों पर भी जोर दिया।

बैठक में ब्रिक्स देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने, स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत बनाने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी। सभी सदस्य देशों ने सर्वसम्मति से 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय घोषणा को अपनाया, जिसमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज, महामारी की तैयारी, डिजिटल स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, अनुसंधान सहयोग और सस्ती दवाओं व टीकों तक समान पहुंच को प्राथमिकता दी गयी। बैठक की एक प्रमुख उपलब्धि ब्रिक्स नेटवर्क ऑफ सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन मेंटल वेलनेस की स्थापना रही, जिसका समन्वय भारत का निमहांस करेगा। इसके अलावा सामाजिक निर्धारकों से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए परिचालन ढांचा, राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों के नेटवर्क, डिजिटल हेल्थ आर्किटेक्चर, स्वस्थ जीवनशैली मिशन और संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए इंटीग्रेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम जैसे कई संस्थागत तंत्रों को भी मंजूरी दी गयी।

फ्रूट के उच्च गुणवत्ता युक्त पौधों से फल केंद्र लाडवा की बनी पूरे प्रदेश में पहचान : साक्षी खुराना

- उप-उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा पर 3 दिवसीय 8वां फल उत्सव 2026 का हुआ शुभारम्भ

पानीपत (राजधानी चौपाल)

चेयरपर्सन साक्षी खुराना ने कहा कि उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा की पहचान पूरे प्रदेश में बनी हुए है। यहां से पौधे लेकर किसान अपने बागवानी के व्यवसाय को बढ़ा रहे हैं। इस केंद्र में वैज्ञानिकों ने नाशपाती, आडू, चीकू, लीची जैसे फ्रूटों की उच्च गुणवत्ता वाले पौधे तैयार किए हैं। अब इन पौधों की मांग प्रदेश के साथ लगते उत्तर प्रदेश, हिमाचल तक में होने लगे है। इस तरह के उत्सव से किसानों को अपनी उपज का बेहतर दाम दिलाने में मदद मिलती है और वे आत्मनिर्भर बनते हैं। नगर पालिका चेयरपर्सन साक्षी खुराना वीरवार को उद्यान विभाग हरियाणा द्वारा उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र लाडवा में आयोजित तीन दिवसीय फल उत्सव कार्यक्रम में बोल रही थी। चेयरपर्सन साक्षी खुराना ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। केन्द्र संचालक उप-निदेशक एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पिंकी यादव ने कहा कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य किसानों को पारम्परिक खेती के स्थान पर बागवानी फसलों के प्रति जागरूक कर-के उनकी आय में वृद्धि करना है। केंद्र पर किसानों की प्रदर्शन के माध्यम से प्रेरित करने एवं उन्नत तकनीक बारे प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आम, नाशपाती, आडू आलूबुखारा, चीकू, लीची, अमरूद, अनार व जामुन फ्रूट इत्यादि फलों की कई किस्मों के प्रदर्शन स्थल स्थापित किए गए हैं। इसके साथ-2 शाम के समय आम जन व किसान के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र प्रतिवर्ष लगभग 80000 उच्च गुणवत्ता के कलमी पौधे किसानों को उपलब्ध करवा रहा है, जिसे इस वर्ष बढ़ाकर 1.0 लाख कलमी पौधे प्रतिवर्ष तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त इस केंद्र पर किसानों को बागवानी क्षेत्र के प्रति जागरूक करने के लिए समय-2 पर निशुल्क एक दिवसीय, साप्ताहिक व 200 घंटे के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के प्रथम दिवस पर बच्चों में बागवानी विषयों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से लाडवा हल्के के विभिन्न स्कूलों से लगभग 70 बच्चों ने हिस्सा लिया।

नीट मामले में युवाओं को गुमराह कर रहा है विपक्षः सैनी

- संसद में चर्चा को तैयार तक नहीं है राहुल गांधी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक मामलों में दोषी व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज करने तथा जांच कर उन्हें फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द सजा दिलवाने के आदेश दे दिए हैं। इसके विपरीत विपक्ष इस मामले में युवाओं को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास कर रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को रोहतक एमडीयू में मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के सुरक्षित भविष्य को सर्वोपरि मानते हुए नीट पेपर लीक मामले सहित अन्य मामलों में कड़ा संज्ञान लिया है, जब कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस विषय पर संसद में चर्चा करने को तैयार नहीं है। विपक्ष के पास इस मामले में कोई सकारात्मक सुझाव है तो वह भी उन्हें केंद्र सरकार को देना चाहिए। यूपीए सरकार में भी पेपर लीक के अनेक मामले सामने आए थे लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विगत सरकार ने शिक्षा का बजट केवल 8225 करोड़ रुपए निर्धारित किया था, जब कि वर्तमान केंद्र सरकार ने इसे बढ़ाकर एक लाख 39 हजार करोड़ रुपए कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य पंजाब का हवाला देते हुए बताया कि वहां एक प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम में गलत नामों के परीक्षार्थियों का चयन कर कैसे उन्हें पास कर दिया गया, जिस रिजल्ट पर हाई कोर्ट ने अब रोक लगा दी है। इसके विपरीत हरियाणा सरकार ने राज्य में पिछले साढे 11 सालों के दौरान बिना खर्ची और बिना पर्ची के एक लाख 83 हजार युवाओं को नौकरी दी है। कांग्रेस सरकार के समय 86 हजार युवाओं को नौकरी दी गई थी। सरकार ने परीक्षाओं की पवित्रता को बनाए रखने के लिए हरियाणा लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक 2021 पारित किया है, जिसमें दो से दस साल तक की सजा का प्रावधान है।

शिक्षक समाज के नैतिक मूल्यों के संवाहकः प्रो. चौधरी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में यूजीसी-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन संस्थान के सहयोग से आयोजित चार-सप्ताहीय संकाय अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अठारहवें दिन चार शैक्षणिक सत्रों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, उद्योग-अकादमिक सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शोध उपकरणों, शिक्षकीय नैतिकता तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप परीक्षा एवं मूल्यांकन सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। प्रथम सत्र में गुरुग्राम विश्वविद्यालय की डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. अमरजीत कौर ने उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के विभिन्न मॉडल, सिद्धांत तथा रणनीतियों की जानकारी दी। साथ ही प्रभावी साझेदारी, अनुसंधान सहयोग और संस्थागत विकास के लिए उपलब्ध फंडिंग स्रोतों पर भी प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में रिसर्च शिक्षा, नई दिल्ली के संस्थापक डॉ. अजय कुमार चौहान ने शोध कार्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न एआई आधारित शोध उपकरणों का परिचय देते हुए बताया कि इन तकनीकों की सहायता से साहित्य समीक्षा, शोध लेखन, चित्र एवं आरेख निर्माण तथा शोध की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सकता है। तृतीय सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी ने ह्लशिक्षक के नैतिक मूल्य एवं आचार संहिताह्व विषय पर व्याख्यान देते हुए शिक्षण नैतिकता, कक्षा प्रबंधन, शैक्षणिक ईमानदारी तथा शोध में डेटा की सत्यनिष्ठा के महत्व को रेखांकित किया। प्रो. चौधरी ने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान का संचारक ही नहीं, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों का संवाहक भी होता है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों के लिए आदर्श आचरण प्रस्तुत करने तथा शिक्षा में गुणवत्ता, पारदर्शिता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।ह्व उन्होंने सूचना का अधिकार (आरटीआई) से जुड़े प्रावधानों और शिक्षकों की जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की ।

जिस समाज का साहित्य जीवित रहता है, उसकी संस्कृति कभी समाप्त नहीं होती

दादा लख्मीचंद हरियाणा की आत्मा और हमारी लोक संस्कृति के अमर स्वर : सैनी

- कहा, हरियाणा की लोक संस्कृति और साहित्य हमारी सबसे बड़ी धरोहर, इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना सरकार का है संकल्प

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सूर्य कवि पंडित दादा लख्मी चंद केवल एक कवि नहीं थे, बल्कि हरियाणा की आत्मा, लोक संस्कृति के प्रहरी और जन-जन के शिक्षक थे। उन्होंने अपनी रागनियों और सांगों के माध्यम से सत्य, त्याग, धर्म, निष्ठा और मानवीय मूल्यों को समाज तक पहुंचाया। दादा लख्मी चंद ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि पीढि?ों का चरित्र निर्माण किया और लोक संस्कृति को नई पहचान दिलाई।

नायब सिंह सैनी रोहतक में दादा लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय के केंद्रीय सभागार में विश्वविद्यालय तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में सूर्यकवि दादा लख्मी चंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित साहित्यकार सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने दादा लख्मी चंद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया, विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया तथा विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन से विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों, कवियों व कलाकारों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी ऊंची इमारतों या आर्थिक

प्रगति से नहीं, बल्कि उसकी भाषा, साहित्य, संस्कृति और कलाकारों से होती है। इतिहास घटनाओं को दर्ज करता है, लेकिन साहित्य एक युग की संवेदनाओं को अमर बना देता है, जो समाज अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करता है, वही भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी जड़ों से जुड़े रहना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

नायब सिंह सैनी ने सम्मानित होने वाले साहित्यकारों, कवियों और कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी लेखनी केवल शब्दों का सृजन नहीं करती, बल्कि समाज की चेतना को दिशा देती है। उनकी कला केवल मनोरंजन नहीं करती, बल्कि संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि साहित्यकारों का सम्मान वास्तव में समाज की सृजनशील चेतना का सम्मान है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा की भाषा, साहित्य, लोक कलाओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल कलाकारों और साहित्यकारों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना भी है। इसी सोच के तहत रोहतक स्थित विश्वविद्यालय का नाम दादा लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय रखा गया है। यह केवल नामकरण नहीं, बल्कि हरियाणा की सांस्कृतिक चेतना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सरकार का संकल्प है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा हिंदी में विश्वविद्यालय स्तर की विभिन्न विषयों की पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है, जिससे मातृभाषा में उच्च शिक्षा को नई गति मिल रही है। साथ ही फारसी लिपि में उपलब्ध दुर्लभ हिंदी साहित्य को देवनागरी में प्रकाशित करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया जा रहा है, ताकि ऐतिहासिक धरोहर नई पीढ़ी तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भाषा, साहित्य, इतिहास और संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। पंचकूला स्थित हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का सशक्त केंद्र बन चुका है, जबकि राखीगढ़ी स्थित सप्त सिंधु हड़प्पा ज्ञान केंद्र भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसी सांस्कृतिक चेतना का निर्माण करना है, जिससे नई पीढ़ी अपनी भाषा, इतिहास, परंपराओं और राष्ट्र पर गर्व कर सके। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा अपनी समृद्ध भाषा, साहित्य और लोक संस्कृति के बल पर देश और दुनिया में नई पहचान स्थापित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए सरकार प्रतिबद्ध

दिल्ली (राजधानी चौपाल) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत के युवाओं का भविष्य निष्पक्षता, पारदर्शिता और समान अवसरों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर हर छात्र की आकांक्षाओं की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पेपर लीक जैसी अनियमितताओं के खिलाफ सख्त

कार्रवाई करने और मजबूत कानूनी प्रावधानों के जरिए परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अवसरों का विस्तार, स्टार्टअप और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहन तथा विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था के माध्यम से हर युवा को सशक्त बनाना सरकार का लक्ष्य है। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की सोच हर युवा को आगे बढ़ने का अवसर देने और देश के भविष्य को मजबूत बनाने की है।

वसंत कुंज हादसे में तीन दिन बाद भी जिम्मेदारी तय नहीं, खुले नाले में कार गिरने से हुई थी छात्र की मौत

दिल्ली (राजधानी चौपाल) वसंतकुंज साउथ थाना क्षेत्र स्थित नांगल देवत लाल बत्ती के पास तीव्र मोड़ पर फिसलकर एक कार खुले नाले में जा गिरी और पलट गई। हादसे में एक 20 वर्षीय छात्र यशवेन्द्र की मौत हो गई। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली पुलिस यह तय नहीं कर पाई है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदारी आखिर किस विभाग की है। जिम्मेदारी तय न होने से अब तक एफआइआर भी दर्ज नहीं हो पायी है। पुलिस की प्राथमिक जांच के दौरान सामने आया था कि यह खुला नाला डीडीए का है, जिसे निमार्णाधीन कार्य के चलते खुला छोड़ गया था। प्राधिकरण की ओर से हादसा सामने आने के बाद बताया गया कि मोड़ स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए दिल्ली ट्रेफिक पुलिस को पत्र लिखा था, जिसकी एनओसी नहीं मिली। सूत्रों के मुताबिक स्पीड ब्रेकर न होने के चलते मोड़ पर तेज रफ्तार गाड़ियों के हादसे का शिकार होने की आशंका बनी रहती है।

कैप्टन गौड़ मार्ग का कट पूरी तरफ बंद, इस्कॉन मंदिर रोड पर नहीं लगेगा जाम

दिल्ली (राजधानी चौपाल) ईस्ट आफ कैलाश की ओर से आने पर कैप्टन गौड़ मार्ग पर बनने वाला तिराहा न केवल ट्रैफिक पुलिस के लिए सिरदर्द था, बल्कि राजा धीर सेन मार्ग की कालोनियों के लिए परेशान बन गया था। पीक समय यानी सुबह व शाम को कई बार वाहनों की कतार कैप्टन गौड़ मार्ग पर पीछे ओखला मंडी तक और दूसरी तरफ बढ़कर रिंग रोड तक पहुंच जाती थी। स्थानीय आरडब्ल्यूए के सुझाव पर मई में दो सप्ताह के ट्रायल के तौर ट्रैफिक पुलिस ने बैरिकेड लगाकर इस तिराहे को बंद किया था। इसके चलते कैप्टन गौड़ मार्ग से लेकर राजा धीर सेन मार्ग पर लगने वाला जाम काफी हद तक नियंत्रित हो गया। ट्रायल सफल होने पर पर अब इसे स्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है। नई व्यवस्था के तहत आवागमन के लिए कैप्टन गौड़ मार्ग कट से 100 मीटर आगे व पीछे यू-टर्न दिया गया है। अब राजा धीर सेन मार्ग से ओखला मंडी की तरफ जाने के लिए तिराहे से बायीं तरफ 100 मीटर आगे जाकर यू-टर्न लेना होगा।

कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म...अब क्या राजनीति में एंट्री करेंगे दीपके !

दिल्ली (राजधानी चौपाल) केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ ही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन खत्म हो गया है। प्रदर्शन समाप्त होने के बाद नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी प्रदर्शन क्षेत्र की साफ-सफाई करने में जुटे हैं। वहीं, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक भी वापस लौट चुके हैं। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि सीजेपी अब आगे क्या करेगी? क्या दीपके कोई अपनी कोई राजनीतिक पार्टी बनाएंगे या किसी दूसरी पार्टी में शामिल होंगे?

जंतर-मंतर पर चले इस आंदोलन को पूरी तरह गैर-राजनीतिक बताया गया, हालांकि इसके मंच पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई विपक्षी नेताओं ने हिस्सा लिया। फिल्म और खेल जगत की कुछ हस्तियां भी आंदोलन के समर्थन में दिखाई दीं। इसके बावजूद ष्टछ्वक्कने खुद को किसी राजनीतिक दल के रूप में पेश नहीं किया। जेएनयू के सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज के प्रोफेसर डॉ. सुधीर कुमार ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि, सीजेपी ने अब तक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई संकेत नहीं दिया है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने छात्रों में नई ऊर्जा पैदा की है। पिछले कई वर्षों में शिक्षा से जुड़े कई आंदोलन हुए, लेकिन सीजेपी ने उन्हें फिर से सक्रिय करने का काम किया। साथ ही विपक्षी दलों ने भी छात्रों की मांगों को गंभीरता से उठाना शुरू किया।

वहीं, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष का कहना है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उनके मुताबिक, इस आंदोलन ने यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक तरीके से सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। हालांकि उनका मानना है कि सीजेपी को राजनीतिक पार्टी नहीं बनना चाहिए। उनके अनुसार, यदि यह आंदोलन राजनीतिक दल में बदलता है तो इसकी नैतिक ताकत और विश्वसनीयता कमजोर पड़ सकती है।

एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज के पूर्व निदेशक डीएम दिवाकर की राय अलग है। उनका कहना है कि भारत में कई राजनीतिक दल छात्र आंदोलनों से ही निकले हैं। उन्होंने 1974 के जेपी आंदोलन और बाद में बनी जनता पार्टी का उदाहरण दिया। उनके मुताबिक, सीजेपी भले ही खुद को राजनीतिक

दल नहीं कह रही हो, लेकिन उसके मुद्दे और बयान राजनीतिक हैं। इसलिए भविष्य में इसके राजनीतिक मंच बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया से सड़क तक का सफर: सीजेपी की शुरुआत सोशल मीडिया पर एक व्यंग्य के रूप में हुई थी। मई में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच' शब्द सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद सीजेपी नाम से वेबसाइट बनी, सोशल मीडिया पर लाखों लोग जुड़े और नीट पेपर लीक के मुद्दे पर अभियान शुरू हुआ। 6 जून को पहला प्रदर्शन हुआ और 20 जून से जंतर-मंतर पर लगातार आंदोलन शुरू हो गया। आखिरकार एक महीने बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया।

विश्लेषकों का कहना है कि इस आंदोलन ने यह दिखाया कि आज के युवा केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहना चाहते। वे नीतियों और फैसलों में अपनी भागीदारी भी चाहते हैं। वहीं आशुतोष का मानना है कि सीजेपी ने जेन-जी के अंदर लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत किया है। इस आंदोलन ने यह धारणा भी बदली कि आज के युवा केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं।

सीजेपी का आगे क्या होगा?

फिलहाल सीजेपी का आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन इसकी चर्चा अभी खत्म नहीं हुई है। कुछ विशेषज्ञ इसे एक सफल छात्र आंदोलन मानते हैं, जबकि कुछ इसके भीतर भविष्य की राजनीतिक ताकत देखते हैं। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि सीजेपी नए मुद्दों पर फिर सक्रिय होती है या इसके उठाए गए मुद्दों को विपक्षी दल आगे बढ़ाते हैं। इतना तय है कि इस आंदोलन ने देश में छात्र राजनीति और लोकतांत्रिक भागीदारी पर नई बहस जरूर शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट, गर्मी और उमस से मिलेगी राहत

दिल्ली (राजधानी चौपाल) मौसमी उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को दिल्ली- एनसीआर में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान है। हालांकि उमस भी परेशानी करेगी, लेकिन बारिश से कुछ राहत मिलने के आसार हैं।

मौसम विभाग का कहना है कि बादलों की आवाजाही रहेगी, कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश भी संभावित है। अलबत्ता अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे ही रहेगा।

सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। बीच बीच मे धूप खिले रहने पर उमस से भी परेशानी होगी। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं।

दिनभर रही धूप छाया, उमस भरी गर्मी से परेशान रहे लोग: सुबह से शाम तक दिनभर रविवार को आसमान में बादल मंडराते रहने की वजह से धूप छाया का मौसम रहा। तेज धूप रहने की वजह से दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। हालांकि शाम को गर्मी से हल्की राहत रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन आसमान में बादल मंडराते रह सकते हैं। लेकिन तेज धूप निकलने पर गर्मी का एहसास हो सकता है। पिछले करीब दो हफ्ते से आसमान में बादल मंडराते रहने के साथ धूप छाया का मौसम बना हुआ है। बीच में दो तीन दिन वर्षा भी हुई थी। जिसके बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी। उधर, सोमवार को सुबह 10 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 101 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में ही चल रही है।

इंस्टाग्राम पर छाई दिल्ली की शिक्षिका, सुमी सियाग की अनोखी पहल ने जीता यूजर्स का दिल

दिल्ली (राजधानी चौपाल) राजधानी दिल्ली के एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर यूजर्स का दिल जीत रहा है। शिक्षिका की इस अद्भुत पहल की हर कोई तारीख कर रहा है। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम प्लेटफार्म पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे एक सरल और कम लागत वाला तरीका नन्हे बच्चों को उनके स्कूल में दिन की शुरुआत से ही आत्मनिर्भरता और जिम्मेदारी सिखा रहा है। शिक्षिका सुमी सियाग ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर स्कूल के बच्चों का एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसका शीर्षक है 'मेरे नन्हे बच्चे, कमान संभाल रहे हैं'। वीडियो में सबसे पहले शिक्षिका क्लास रूम में प्रवेश करती दिखाई दे रही हैं। इसके बाद बच्चे क्लास के अंदर प्रवेश करते हैं और बच्चे सीट पर बैठने के बजाय दीवार लगे रंगीन बोर्ड के जरिए अपनी-अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।

बच्ची को आधा पेट खाना और बिना कपड़ों के रखती थी बीमार मां, पड़ोसी ने वीडियो रिकॉर्ड कर दिल्ली पुलिस को भेजा

दिल्ली (राजधानी चौपाल) एन्क्लेव इलाके में छह साल की एक बच्ची को उसकी मानसिक रूप से बीमार मां द्वारा पिछले कई महीने से किए जा रहे उत्पीड़न से पुलिस ने सुरक्षित बचा लिया। बच्ची को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की मदद से रेस्क्यू कर चिकित्सा जांच और देखभाल के लिए भेजा गया है, जबकि उसकी मां को इलाज के लिए इहबास में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि जनता फ्लैट्स में रहने वाली महिला पर आरोप है कि वह अपनी बेटी को पर्याप्त भोजन नहीं देती थी, कई बार सजा के तौर पर उसे बिना कपड़ों के घर के बाहर खड़ा कर देती थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से घर से चीखने-चिल्लाने और मारपीट की आवाजें आती थीं। पड़ोसी जब महिला को समझाते तो वह खुदकुशी करने की बात कहने लगती। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के निर्देश पर जीटीबी एन्क्लेव थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने कई बार घर का दौरा किया, लेकिन बच्ची डरी-सहमी रहती थी और मां के खिलाफ कुछ नहीं बोलती थी। इसी महीने एक पड़ोसी ने एक वीडियो रिकॉर्ड कर पुलिस को उपलब्ध कराया। वीडियो में बच्ची कमजोर अवस्था में बिना कपड़ों के दिखाई दे रही थी। इसके बाद पुलिस ने तत्काल बाल कल्याण समिति से संपर्क किया और महिला पुलिसकर्मियों तथा सीडब्ल्यूसी अधिकारियों की मौजूदगी में बच्ची का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के समय बच्ची बेहद कमजोर और अस्वस्थ मिली। उसे इलाज, काउंसलिंग और देखभाल के लिए सीडब्ल्यूसी की निगरानी में भेजा गया है। वहीं, उसकी मां को मानसिक स्वास्थ्य उपचार के लिए इहबास में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली जू में 160 प्रजातियों के पेड़ों के बीच पहली 'ट्री वॉक', अर्बन बायोडायवर्सिटी को बचाने की कोशिश

दिल्ली (राजधानी चौपाल) राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) ने जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एक नई पहल करते हुए पहली बार 'ट्री वॉक' का आयोजन किया। सुबह 7:30 से 10 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकृति प्रेमियों, विद्यार्थियों, ट्रेकर्स और स्कूली बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रकृतिविद् एवं वन्यजीव फोटोग्राफर संजय तिवारी ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को चिड़ियाघर परिसर में मौजूद विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों की पहचान कराई और बताया कि शहरी क्षेत्रों में जैव विविधता को बनाए रखने में इनकी कितनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने पेड़ों की संरचना, पत्तियों, फूलों और फलों के आधार पर उनकी पहचान करने के आसान तरीके भी साझा किए। ट्री वॉक के दौरान प्रतिभागियों को जैव विविधता संरक्षण से जुड़े कई पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि वनों की अंधाधुंध कटाई, वायु प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और मिट्टी के क्षरण जैसी चुनौतियां पक्षियों, तितलियों और अन्य जीवों के प्राकृतिक आवास को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में शहरी क्षेत्रों में पेड़ों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी है।

चिड़ियाघर में 160 प्रकार के पेड़ों की मौजूदगी

इस अवसर पर आयोजित विशेष सत्र में विशेषज्ञों ने बताया कि चिड़ियाघर परिसर में लगभग 44 एकड़ क्षेत्र में फैले हरित आवरण के बीच करीब 160 प्रकार के पेड़ मौजूद हैं। यह विविधता इस बात का उदाहरण है कि सुव्यवस्थित हरित क्षेत्र शहरों में भी समृद्ध जैव विविधता को बढ़ावा दे सकते हैं।

पर्यावरण शिक्षा का बन रहा महत्वपूर्ण मंच: आयोजकों ने कहा कि चिड़ियाघर अब केवल वन्यजीवों को देखने का केंद्र नहीं रह गया है, बल्कि नागरिक विज्ञान (सिटिजन साइंस) और पर्यावरण शिक्षा को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण मंच भी बनता जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

12 साल बाद टाउन वेंडिंग कमेटी चुनाव, कई आरक्षित सीटों पर नहीं मिले प्रत्याशी

दिल्ली (राजधानी चौपाल) दिल्ली में रेहड़ी पटरी वालों को आजिविका का अधिकार देने के लिए आए कानून को 12 वर्ष बाद टाउन वेंडिंग कमेटियों के चुनाव हो रहे हैं लेकिन शर्तों और प्रत्याशियों के अभाव में कई समितियों में पद रिक्त हो जाएंगे। हालांकि इसके बीच एमसीडी ने चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली है अब दो अगस्त को चुनाव होंगे जबकि चार अगस्त को परिणाम आएंगे। एमसीडी को 23 टीवीसी में 545 नामांकन आए हैं। प्रत्येक समिति में 30 सदस्य होते हैं।

इसमें 12 सदस्य निर्वाचन के माध्यम वह होते हैं तो कि रेहड़ी पटरी लगाते हैं और उनका प्रतिनिधित्व करते हैं जबकि 18 सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। एमसीडी के अनुसार 545 नामांकन आए हैं। इसमें सर्वाधिक नामांकन सेंट्रल जोन में आए हैं। यहां पर 12 पदों पर 62 प्रत्याशी मैदान में होंगे। जबकि सिटी एसपी जोन टीवीसी -1 में 53 प्रत्याशियों के नामांकन है। इसी प्रकार शाहदरा साउथ जोन में 40 प्रत्याशी मैदान में है। जबकि शेष जोन में औसत प्रत्याशियों की संख्या 23 है। हालांकि हैरानी की बात है कि कई जोन में आरक्षित पदों पर प्रत्याशी ही नहीं है। वहीं कई स्थानों पर एक पद पर एक-एक ही प्रत्याशी होने से इनका निर्विरोध निर्वाचन होना तय है। हालांकि ज्यादा मारामारी सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित तीन पदों पर हैं।

जहां पर 25 अधिकतम प्रत्याशी हैं जबकि न्यूनतम तीन प्रत्याशी मैदान में है। हालांकि अनुसूचित जाति की सामान्य सीट पर कई जोन में प्रत्याशी तक नहीं है। इस श्रेणी में शाहदरा नार्थ जोन की टीवीसी-1, रोहिणी और सिविल लाइंस की टीवीसी में कोई प्रत्याशी नहीं है।इसी प्रकार अनुसूचित जाति महिला की शाहदरा साउथ जोन की टीवीसी-2 व तीन में एक भी प्रत्याशी नहीं है। सेंट्रल जोन में भी टीवी-1 में एक भी प्रत्याशी नहीं है। इसी प्रकार वेस्ट जोन की टीवीसी-2, केशवपुरम की टीवीसी 2, रोहिणी की टीवीसी-2 में कोई प्रत्याशी नहीं है। अन्य पिछड़ा वर्ग की केशवपुरम, रोहिणी और नरेला की टीवीसी में कोई प्रत्याशी नहीं है। ओबीसी महिला के लिए आरक्षित दो पदों में 23 में से 16 समितियों में कोई प्रत्याशी ही नहीं है। अल्पसंख्यक श्रेणी की एक आरक्षित सीट पर 23 में से छह टीवीसी में कोई प्रत्याशी नहीं है।

सामान्य महिला श्रेणी की भी 23 में पांच टीवीसी में प्रत्याशी नहीं मिल पाए। प्रत्याशियों का कहना है कि निगम ने जानबूझकर ऐसे नियम बनाए कि कम से कम ही प्रत्याशी नामांकन दाखिल कर पाएं। जिसकी वजह से यह सीटें रिक्त रहेगी।

यूजीसी ऑनलाइन कार्यशाला में रोजगारपरक एमओओसी कोर्स पर जोर

नईदिल्ली। यूजीसी के इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर व लिंग्याज ललिता देवी इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज के सहयोग से शिक्षाविदों के लिए एमओओसी (मैसिव ओपन आनलाइन कोर्सेज) जागरूकता को लेकर आनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें देशभर के शिक्षाविद् जुड़े। सभी से रोजगारपरक व गुणवत्तापूर्ण आनलाइन कोर्स तैयार करने के लिए सुझाव मांगे गए। इसका उद्देश्य छात्रों को अपनी सुविधा के अनुसार सीखने, नए विषयों तक पहुंच बनाने और रोजगारोन्मुख कौशल विकसित करने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। निदेशक डा. चंदन गुप्ता ने एमओओसी की रूपरेखा तय करने में हितधारकों की भूमिकाओं व जिम्मेदारियों के साथ स्वयं प्लेटफ़ार्म की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

दिल्ली में बारिश के बीच भी एसआईआर शिविरों में उमड़ी भीड़

एक दिन में 529 आवेदन जमा; 175 नए फॉर्म वितरित

दिल्ली (राजधानी चौपाल) एसआईआर अभियान के तहत रविवार को मंडावली स्थित सद्भावना समुदाय भवन और न्यू गोविंदपुरा में मतदाता सूची से संबंधित आवेदन भरने के लिए विशेष शिविर लगाए गए।

रविवार होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने शिविरों में पहुंचकर एसआइआर प्रक्रिया में भाग लिया। स्थानीय बीएलओ और आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि एक ही स्थान पर मौजूद रहे, जिससे लोगों को फार्म भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी लेने और आवेदन जमा करने में सुविधा मिली।न्यू गोविंदपुरा में आरडब्ल्यूए ने लोगों को आवेदन प्रक्रिया पूरी कराने में सक्रिय भूमिका निभाई। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष कमल टुटेजा, उपाध्यक्ष सुनील कौशिक, सचिव नितिन गुगलानी समेत अन्य पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों की सहायता की। वहीं, मंडावली ए ब्लाक के प्रधान परविंदर मिश्रा अपनी संस्था के सदस्यों के साथ शिविर में पहुंचे और लोगों को आवेदन भरने की प्रक्रिया समझाने के साथ फार्म भरवाने में सहयोग किया।

शिविर में कुल 529 फार्म जमा किए गए। इसके अलावा 175 नए फार्म भी वितरित किए गए। वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में लोग शिविर में पहुंचे और मतदाता सूची से संबंधित कार्य कराए। क्षेत्र के कई प्रबुद्ध नागरिकों ने भी स्वयंसेवक के रूप में लोगों का मार्गदर्शन किया। इस दौरान संजीव राय, उपेंद्र, सोनू मिश्रा, प्रीति सिंह, भगवान दास और अरमान मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने लोगों से समय रहते अपने आवेदन जमा कराने और मतदाता सूची में दर्ज विवरण का सत्यापन एवं संशोधन कराने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

मध्य अफ्रीकी देश कैमरून में सात यात्रियों का अपहरण

वाशिंगटन (राजधानी चौपाल) शिमी क्षेत्र में शनिवार देर रात (स्थानीय समय) सात यात्रियों का अपहरण कर लिया गया। रविवार को सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। ये यात्री वेस्ट क्षेत्र की राजधानी बाफौसम से उत्तर पश्चिम क्षेत्र की राजधानी बामेंडा जा रहे थे। इसी दौरान हथियारबंद लोगों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और यात्रियों को अपने साथ ले गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि अपहरणकर्ताओं ने यात्रियों को छोड़ने के बदले फिरौती की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में फिरौती के लिए अपहरण की घटनाएं आम हैं। यहां अलगाववादी समूह स्वतंत्र देश की मांग को लेकर सरकारी सुरक्षा बलों से संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, इस इलाके में यात्रा करने वाले लोगों को अक्सर ऐसे हथियारबंद लोग निशाना बनाते हैं, जिनके अलगाववादी लड़ाकों से जुड़े होने का शक है। पिछले महीने भी कैमरून के नॉर्थवेस्ट क्षेत्र में करीब 12 लोगों का अपहरण किया गया था। इनमें एक बस के 10 यात्री शामिल थे। स्थानीय लोगों और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह घटना उस इलाके में हुई जहां लंबे समय से अलगाववादी हिंसा जारी है।

बाकू में भारत के विश्व धरोहर स्थलों की प्रदर्शनी का आगाज

बाकू (राजधानी चौपाल) राजधानी बाकू में स्थित भारतीय दूतावास परिसर में भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों पर एक स्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिक, अजरबैजान के सांसद, व्यापारिक समुदाय, ट्रैवल ऑपरेटर और भारतीय समुदाय के लोग शामिल हुए। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत के राजदूत अभय कुमार और यूएन-हैबिटेट अजरबैजान प्रमुख अन्ना सोवे ने संयुक्त रूप से किया। वर्तमान में भारत में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं, जिनमें 36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक व 1 मिश्रित स्थल शामिल हैं।

भ्रष्टाचार में चाइना विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जांच

बीजिंग (राजधानी चौपाल) बैंक के पूर्व अध्यक्ष ओउयांग वेइमिन पर गंभीर अनुशासन और कानून के उल्लंघन के संदेह में शिकंजा कसा गया है। चीन की शीर्ष भ्रष्टाचार विरोधी संस्था ने रविवार को उनके खिलाफ जारी जांच की जानकारी दी। केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने संक्षिप्त बयान में बताया कि राष्ट्रीय पर्यवेक्षण आयोग के साथ मिलकर ओउयांग वेइमिन के खिलाफ जांच की जा रही है। ओउयांग ने 1986 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल होकर अपना कॅरिअर शुरू किया था और वे पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में भी रहे।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने कर दिया बड़ा ऐलान, बोले- लागू नहीं होगा इस्लामी कानून

औगाडौगू (राजधानी चौपाल) राष्ट्रपति कैप्टन इब्राहिम ट्राओरे ने हाल ही में देश के इस्लामीकरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो अपने देश में कभी भी शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने उन छात्रों वापस देश न आने की चेतावनी दी है जो शरिया की पढ़ाके के लिए सऊदी अरब गए हैं। इब्राहिम ट्राओरे ने कहा कि मैं मुस्लिम हूं, लेकिन देश में हर नागरिक को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि बुर्किना फासो में कभी भी शरिया कानून नहीं लागू होगा। बुर्किना फासो लंबे समय से धार्मिक हिंसा का शिकार रहा है। यहां इस्लामी आतंकवादियों के कई संगठन सक्रिय हैं, जो देश में शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। बुर्किना फासो के राष्ट्रपति इब्राहिम ट्राओरे का एक कथित बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने शरिया की पढ़ाई के लिए सऊदी अरब जाने वाले छात्रों से कहा, अगर आप तकनीकी शिक्षा और कौशल हासिल करने के बजाय केवल शरिया पढ़ने जा रहे हैं, तो वहीं रहें। आपको वापस लौटने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यहां आपकी वापसी की अनुमति नहीं होगी। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी उन्होंने धार्मिक सद्भाव, राष्ट्र निर्माण और अतिवाद के खिलाफ अपनी सरकार की नीति को रेखांकित करते हुए की। हालांकि, इस बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इब्राहिम ट्राओरे का जन्म 14 मार्च 1988 को हुआ था। उन्होंने सितंबर 2022 में सैन्य तख्तापलट के बाद बुर्किना फासो की सत्ता संभाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 35 साल थी। सत्ता में आने के बाद उन्होंने देश को भ्रष्टाचार, विदेशी प्रभाव और जिहादी हिंसा से मुक्त कराने का वादा किया। ट्राओरे खुद को पैन-अफ्रीकी, राष्ट्रवादी और एंटी-इंपीरियलिस्ट नेता मानते हैं। उन्होंने अल-साहेल स्टेट्स गठबंधन को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उनका कहना है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और स्थानीय परंपराओं के आधार पर न्याय व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। उनके शासन में बुर्किना फासो ने फ्रांस जैसे पश्चिमी देशों से दूरी बढ़ाई और रूस समेत अन्य देशों के साथ अपने संबंध मजबूत किए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर चौथी बार गूंजी किलकारी: पत्नी उषा ने दिया बेटे को जन्म, 156 साल बाद हुआ ऐसा संयोग

वाशिंगटन (राजधानी चौपाल) उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के घर खुशियों ने दस्तक दी है। उनकी पत्नी और अमेरिका की सेकेंड लेडी उषा वेंस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया है। नवजात का नाम एलेक नील वेंस रखा गया है। यह पल अमेरिकी इतिहास के लिए बेहद खास बन गया है। दरअसल, पिछले 156 वर्षों में यह पहली बार है जब किसी पद पर रहते हुए उपराष्ट्रपति के घर बच्चे का जन्म हुआ है। वेंस दंपती ने खुद सोशल मीडिया पर एक संयुक्त बयान जारी कर यह खुशखबरी दुनिया के साथ साझा की।

पूरा परिवार खुशियों से सराबोर : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। नए मेहमान के आने से उनके बाकी तीनों बच्चे बेहद उत्साहित हैं। एलेक नील अब वेंस परिवार के तीन बड़े भाई-बहनों के साथ शामिल हो गया है। इस परिवार में नौ वर्षीय इवान, छह वर्षीय विवेक और चार वर्षीय मीराबेल पहले से हैं। वेंस दंपती ने इस खास मौके पर वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों और व्हाइट हाउस की मेडिकल टीम का दिल से आभार व्यक्त किया है।

जनसांख्यिकी और राजनीति का अनोखा संयोग : जेडी वेंस हमेशा से अमेरिका में घटती जन्म दर पर चिंता जताते रहे हैं। वह देशवासियों से अधिक बच्चे पैदा करने की वकालत करते रहे हैं। साल 2025 में एक रैली के दौरान भी उन्होंने देश में बच्चों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया था। वह अक्सर

अपनी पत्नी और बच्चों के साथ विदेशी दौरों पर जाते दिखाई देते हैं। भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी उषा वेंस के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। इस गर्भावस्था के दौरान वह लगातार मीडिया की सुर्खियों में बनी रहीं।

156 साल पुराना दुर्लभ इतिहास : अमेरिका के इतिहास में ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है जब शीर्ष पदों पर बैठे नेता कार्यकाल के दौरान माता-पिता बनते हैं। इससे पहले साल 1870 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति शूयलर कोलफैक्स के घर बेटे का जन्म हुआ था। वहीं, साल 1829 में उपराष्ट्रपति जॉन सी कैलहोन के घर बच्चे ने जन्म लिया था। वेंस का यह बच्चा ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के घरों में हाल ही में हुए 'बेबी बूम' का हिस्सा है, जहां कई बड़े अधिकारियों के घर बच्चों की किलकारियां गूंजी हैं।

दंपति ने उषा वेंस और नवजात की देखभाल करने वाली मेडिकल टीम का भी आभार व्यक्त किया और कहा, 'वाल्टर रीड मेडिकल सेंटर और व्हाइट हाउस मेडिकल यूनिट के शानदार मिलिट्री डॉक्टर और स्टाफ मेंबर हमारे लिए एक आशीर्वाद रहे हैं। उन्होंने हमारे परिवार के लिए जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम बहुत शुक्रगुजार हैं।' एलेक दंपत्ति का चौथा बच्चा और तीसरा बेटा है। वेंस के पहले से ही दो बेटे हैं, इवान (9) और विवेक (6), और उनकी एक बेटी मिराबेल (4) है। उन्होंने अपने बच्चों को ज्यादातर लोगों की नजरों से दूर रखा है। मिराबेल का जन्म दिसंबर 2021 में हुआ था। इस दौरान जेडी वेंस ओहियो से अमेरिकी सीनेट सीट के लिए कैंपेन कर रहे थे। दंपत्ति ने जनवरी 2026 में ऐलान किया था कि उषा एक और बेटे को जन्म देने वाली हैं। इस बच्चे के जन्म के साथ ही अमेरिकी राजनीतिक इतिहास में एक दुर्लभ रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। इससे पहले, पद पर रहते हुए संतान सुख प्राप्त करने वाले अंतिम अमेरिकी उपराष्ट्रपति शायलर कोलफैक्स थे। उनके पुत्र शायलर कोलफैक्स तृतीय का जन्म वर्ष 1870 में हुआ था। कोलफैक्स से पहले उपराष्ट्रपति जॉन सी. कैलहून ने 1829 में अपने बेटे विलियम का स्वागत किया था। 41 वर्षीय जेडी वेंस अमेरिका के इतिहास में शपथ लेने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के उपराष्ट्रपति हैं। रिपब्लिकन नेता वेंस, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की सबसे प्रमुख हस्तियों में से एक बनकर उभरे हैं। उषा वेंस ने इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस सवाल पर भी बात की थी कि क्या वह और जेडी वेंस अपने परिवार को आगे बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले साल एक इंटरव्यू में इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'कभी भी 'कभी नहीं' मत कहिए।'

उषा बाला चिलुकुरी के रूप में जन्मी अमेरिका की सेकंड लेडी भारतीय मूल की हैं। उनके माता-पिता भारत से अमेरिका जाकर बसे थे और उनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। उनके परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश से जुड़ी हैं, इसलिए उनके बेटे एलेक नील वेंस के जन्म को भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए भी विशेष महत्व के रूप में देखा जा रहा है। उषा और जेडी वेंस की मुलाकात येल लॉ स्कूल में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों ने 2014 में शादी की थी।

इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोटक को निष्क्रिय करते समय अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत

वाशिंगटन (राजधानी चौपाल) सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उत्तरी इराक में ईरानी वन-वे अटैक (आत्मघाती) ड्रोन से जुड़े बिना फटे विस्फोटक को नियंत्रित तरीके से निष्क्रिय (कंट्रोल्ड डेटोनेशन) करने के दौरान एक अमेरिकी सैन्यकर्मी की मौत हो गई। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार को जारी बयान में कहा कि इस घटना में एक अन्य अमेरिकी सैन्यकर्मी घायल हुआ है, जिसका मामूली चोटों के लिए उपचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अमेरिकी सेना को रविवार को मानव अवशेष मिले। इससे पहले सेंटकॉम ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार को जॉर्डन में हुए ईरानी हमले के बाद दो अमेरिकी सैन्यकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य लापता था।

सेंटकॉम ने कहा कि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि के लिए जांच प्रक्रिया जारी है। सेंट्रल कमांड ने कहा, 'जब तक परिजनों को आधिकारिक रूप से सूचना देने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक मृत और लापता सैन्यकर्मियों की पहचान सहित अन्य विवरण सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे।' वहीं, सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी ताजा अपडेट में बताया कि रविवार तक अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखते हुए छह वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदल दिया, जबकि एक जहाज को रोक दिया गया।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने रविवार को ईरान के अहवाज क्षेत्र में अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी का कहना है कि ड्रोन को इंटरसेप्ट करने के बाद उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस नेटवर्क की कमांड में आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के एडवांस्ड एयर-डिफेंस सिस्टम ने एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई कर रहा है। ईरान की आईआरजीसी ने शनिवार को कहा कि उसने जॉर्डन में एक अमेरिकी बेस पर हमला किया, कुवैत में एक फ्यूल सप्लाई डॉक को निशाना बनाया और बहरीन में एक डेटा सेंटर को नष्ट कर दिया है।

बांग्लादेश में खसरे से मरने वालों का आंकड़ा 788 पहुंचा

ढाका (राजधानी चौपाल) 24 घंटों में खसरे जैसे लक्षणों के चलते चार और बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश में खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या बढ़कर 788 हो गई है। सभी नई मौतों को खसरा से संदिग्ध रूप से जुड़ी मौत माना गया है। नए अपडेट के अनुसार, बांग्लादेश में खसरे से संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 693 हो गई है, जबकि प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हुई मौतों का आंकड़ा 95 है। यह जानकारी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के हवाले से सामने आई है। पिछले 24 घंटे के दौरान बांग्लादेश में खसरे के 938 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिससे देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,17,648 हो गई। इसी अवधि में खसरे के 113 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिसके बाद प्रयोगशाला जांच से पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या बढ़कर 14,431 हो गई।

इस महीने की शुरुआत में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि डेंगू के बढ़ते मामलों से स्वास्थ्य व्यवस्था पर और दबाव पड़ सकता है और मौतों का खतरा बढ़ सकता है। बांग्लादेश के अस्पताल पहले से ही खसरे के रोजाना 900 से ज्यादा मरीजों के भर्ती होने के कारण दबाव में हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, ढाका के बड़े सरकारी अस्पताल, जहां पहले डेंगू के प्रकोप के दौरान हजारों मरीजों का इलाज किया गया था, अभी खसरे के मरीजों के बोझ से जूझ रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर डेंगू के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होती है, तो पहले से सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं पर और दबाव पड़ेगा और इलाज की सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

गुयाना में बड़ा हादसा...116 लोगों को ले जा रही नाव पलटी

जॉर्जटाउन (राजधानी चौपाल) अमेरिकी देश गुयाना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, यह एक बड़ा मुद्री हादसा हो गया है। 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक फेरी समुद्र में पलटकर डूब गई। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया। अब तक 53 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि कई अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, एमवी बरिमा (MV Barima) नाम की फेरी राजधानी जॉर्जटाउन से पोर्ट कैतूमा जा रही थी। रास्ते में आयरन पंट के पास देर रात अचानक फेरी का संतुलन बिगड़ गया और वह समुद्र में पलट गई। हादसे के तुरंत बाद डिस्ट्रेस कॉल भेजी गई, जिसके बाद प्रशासन और बचाव एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। प्रशासन लगातार बचाव अभियान चला रहा है और लापता लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है।

कोस्ट गार्ड और निजी नावों ने बचाए यात्री : गुयाना के लोक निर्माण मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ आसपास मौजूद निजी नावों को भी राहत कार्य में लगाया गया। कोस्ट गार्ड और निजी नौकाओं की मदद से कई लोगों को समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाए गए यात्रियों को तुरंत इलाज देने के लिए मेडिकल टीमों को भी मौके पर भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, एमवी बरिमा वर्ष 1939 में बनाई गई थी और इसकी लंबाई लगभग 40 मीटर थी। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा के लिए फेरी में 250 लाइफ जैकेट, दो लाइफबोट और छह फुलाने वाली लाइफ राफ्ट मौजूद थीं। इसके बावजूद हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री खुद कर रहे हैं निगरानी गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तेजी से राहत और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिस पोर्ट कैतूमा के लिए फेरी जा रही थी, वह एस्सेक्विबो क्षेत्र में स्थित है, जो लंबे समय से गुयाना और वेनेजुएला के बीच विवाद का केंद्र रहा है। फिलहाल प्रशासन का पूरा ध्यान लापता लोगों को जल्द से जल्द खोजने और हादसे की वजह का पता लगाने पर है।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत, कई घर मलबे में तब्दील

लीमा (राजधानी चौपाल) पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान : यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग : स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' : पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

ये स्पेन नहीं, अमेरिका की जीत है... ट्रंप के बयान से मची हलचल, अगले वर्ल्ड कप पर कही ये बात

न्यू जर्सी (राजधानी चौपाल) फीफा वर्ल्ड कप 2026 का रविवार को भव्य समापन हो गया। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक फाइनल मुकाबले में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से मात देकर विश्व विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस जीत के साथ ही स्पेन ने 16 साल बाद दोबारा फुटबॉल के इस महाकुंभ पर कब्जा जमाया है। मुकाबला इतना कड़ा था कि निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक भी गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा।

फेरान टोरेस का ऐतिहासिक विजयी गोल : मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच जबरदस्त खेल देखने को मिला। खेल के 106वें मिनट में वह क्षण आया जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी फेरान टोरेस ने निको विलियम्स के शानदार पास को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो खिताबी जीत साबित हुई।

यह अमेरिका की बड़ी जीत है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेष रूप से राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर 'मरीन वन' से फाइनल मैच देखने पहुंचे थे। उन्होंने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो के साथ मिलकर विजेता टीम स्पेन को वर्ल्ड कप ट्रॉफी सौंपी। भले ही खिताब स्पेन के नाम रहा, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे अमेरिका की एक बड़ी सफलता और जीत करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया कि अमेरिका भी एक फुटबॉल प्रेमी देश है और इस सफल आयोजन ने पूरी दुनिया को एक साथ लाने का काम किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप इस टूर्नामेंट की मेजबानी और इससे मिले अंतरराष्ट्रीय प्यार से इतने प्रभावित हैं कि उन्होंने फीफा अध्यक्ष को अगला वर्ल्ड कप भी जल्द से जल्द फिर से अमेरिका में कराने का सुझाव दे डाला है। गौरतलब है कि इस बार वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की थी। शुरुआत में सख्त वीजा नियमों और कुछ विशेष देशों के प्रशंसकों पर पाबंदियों के कारण अमेरिकी प्रशासन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन फाइनल के सफल समापन ने ट्रंप के आत्मविश्वास को बढ़ा दिया है। टूर्नामेंट के अन्य बड़े पुरस्कारों की बात करें तो, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार 'गोल्डन बूट' जीतकर इतिहास रचा, जबकि स्पेन के उनाई सिमोन को 'गोल्डन ग्लव' से नवाजा गया।

यूक्रेन पर रूस का चौतरफा वार! 41 मिसाइलों और 125 ड्रोनों ने राजधानी कीव में मचाई भारी तबाही, लोगों की मौत

कीवी (राजधानी चौपाल) बीच जारी युद्ध ने एक बार फिर भीषण रूप ले लिया है। रविवार तड़के रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव सहित कई प्रमुख शहरों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोनों और गाइडेड बमों से चौतरफा हमला बोला। इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस हमले ने यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था, विशेष रूप से अमेरिका निर्मित पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की सीमाओं को उजागर कर दिया है, जो रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में संघर्ष करता नजर आया।

41 मिसाइलें और 125 ड्रोनों से हमला

यूक्रेनी वायु सेना के मुताबिक, रूस ने रविवार रात करीब 1:30 बजे अपना ऑपरेशन शुरू किया, जो कई घंटों तक चला। मॉस्को ने पूरे यूक्रेन में 41 मिसाइलें और 125 ड्रोन दागे। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पुष्टि की कि इनमें से अधिकांश का निशाना राजधानी कीव थी।

कई शहरों में तबाही : राजधानी के अलावा, यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्कीव के पास एक डाक केंद्र पर हुए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा, खेरसॉन और सुमी शहरों को भी रूसी गाइडेड बमों ने निशाना बनाया, जहां जनहानि की खबरें हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अब रूसी हमले पहले के मुकाबले कहीं अधिक बार हो रहे हैं, जिससे नागरिकों में मानसिक तनाव और डर का माहौल है।

यूक्रेन ने किया पलटवार : रूस के इस हमले के जवाब में यूक्रेन ने भी रूसी ऊर्जा बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने घोषणा की कि यूक्रेनी यूनिट्स ने स्टावरोपोल इलाके के तीन तेल डिपो और ब्लैक सी में मौजूद रूसी टैंकरों पर हमले किए हैं। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय का दावा है कि उन्होंने रात भर में यूक्रेन के 140 ड्रोनों को मार गिराया है। रूस

ने यह भी कहा कि उनके हमले केवल सैन्य उद्देश्यों और ड्रोन निर्माण इकाइयों तक सीमित थे।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव की सुरक्षा मजबूत करने के लिए यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम बनाने का लाइसेंस देने की बात कही है, हालांकि इसकी समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बात साफ हो गई है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष अब तेल उद्योग और ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने की ओर मुड़ गया है।

थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स का लक्षण हो सकता है हाथ पैर की झनझनाहट

पहले लोगों को तंबाकू के सेवन से कैंसर होता था लेकिन अब तंबाकू के अधिक सेवन से एक दुर्लभ बीमारी की पहचान हो गई है। इस बीमारी का नाम है बुर्जर रोग। बुर्जर की बीमारी को थ्रोम्बोआंगाइटिस ओब्लिटरन्स भी कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें हाथों और पैरों की रक्त वाहिकाएं सूज जाती हैं और बाद में यह ब्लॉक हो जाती हैं।

नसों के ब्लॉक होने से हाथ-पैर की उंगलियों तक खून की सप्लाई रुक जाती है। ऐसा होने से आपके हाथ-पैरों में झनझनाहट या सुन्नता महसूस हो सकती है। आपको उंगलियों में पीलापन नजर आ सकता है। यह ऐसी खतरनाक बीमारी है जिसमें उंगलियां काम करना बंद कर देती हैं और किसी काम की नहीं रहती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह बीमारी उन लोगों को ज्यादा होती है, जो स्मोकिंग करते हैं। जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

क्या है बुर्जर की बीमारी

क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, जिन रोगियों को यह बुर्जर की बीमारी है, वे स्मोकिंग करने वाले हैं या किसी भी रूप में तंबाकू का उपयोग कर रहे हैं। इससे बचने का सबसे आसान तरीका स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना है। इसके अलावा कुछ रक्त वाहिकाओं और खून को पतला करने वाली दवाओं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। गंभीर मामलों में हाथ-पैर की उंगलियां काटने की जरूरत हो सकती है। चलिए जानते हैं कि इस बीमारी के क्या कारण और लक्षण हैं और इसका किसको ज्यादा खतरा है।

बुर्जर की बीमारी के कारण

ऐसा माना जाता है कि स्मोकिंग करने वालों में बुर्जर रोग विकसित होने का सबसे अधिक खतरा होता है। यह रोग भांग और तंबाकू का सेवन करने वालों में पाया गया है। यह एक दुर्लभ विकार है जो उन देशों में कम देखा गया है, जिन देशों में तंबाकू का कम सेवन किया जाता है।

बुर्जर की बीमारी के संकेत और लक्षण

- चलने से आपके निचले पैरों या पैरों में दर्द या जलन होना
- आपके हाथों या कलाइयों में दर्द या झनझनाहट
- रक्त में थक्के
- हाथ-पैर की उंगलियों पर अल्सर
- हाथ-पैर की उंगलियों पर त्वचा के रंग में पीला, लाल और कभी-कभी नीला पड़ जाना

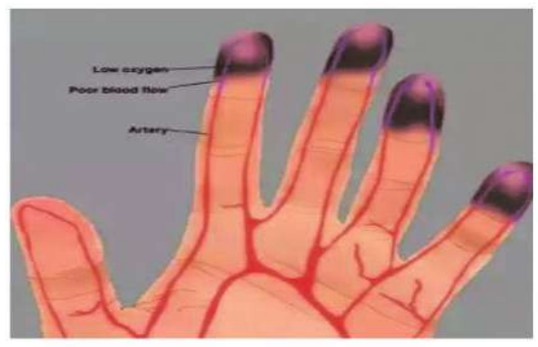

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है।

शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षयी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व है विटामिन डी

विटामिन डी एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। जो हमारे दिमाग से लेकर इम्यून सिस्टम के लिए जरूरी होता है। इसकी कमी होने से शरीर का कामकाज बिगड़ जाता है। धूप को इसका सबसे बढ़िया सोर्स माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह रास्ता काम नहीं करता है। जिसकी वजह से इस विटामिन की कमी होने लगती है।

विटामिन डी की कमी से होने वाले रोग?

यह विटामिन हड्डी, नाखून, दांत के लिए काफी जरूरी होता है। इसके कम होने पर हड्डी में दर्द, जोड़ हटना, मसल्स में दर्द, बार-बार बीमार पड़ना, ऑस्टियोपोरोसिस कैल्शियम की कमी, डिप्रेशन के लक्षण आदि परेशान कर सकते हैं। इसलिए इसे बॉडी में कभी कम ना होने दें।

धूप में क्यों नहीं रहते लोग?

धूप को विटामिन-डी का बेस्ट सोर्स माना जाता है। लेकिन कुछ जगह धूप बहुत कम आती है या फिर कुछ लोगों की स्किन इसे ढंग से ग्रहण नहीं कर पाती है। वहीं, सेंसिटिव स्किन के लोग भी धूप से दूर रहते हैं। ऐसे में इन लोगों के लिए विटामिन डी लेने का अकेला रास्ता फल, सब्जियां, जूस, सप्लीमेंट खाना बच जाता है।

विटामिन डी की कमी का इलाज मशरूम

शाकाहारी लोगों में मशरूम से विटामिन डी की कमी खत्म की जा सकती है। एक स्टडी के अनुसार

इंसानों की तरह मशरूम भी धूप से विटामिन डी बनाता है। जिसे खाकर फायदा उठाया जा सकता है।

दूध, पनीर, दही

दूध और उससे बने पनीर, दही आदि में कैल्शियम होता है। इसके साथ आपको काफी विटामिन डी मिलता है। ये दोनों पोषक तत्व हड्डियों, दांत और नाखून को मजबूत बनाने के काम आते हैं। आप पनीर की भुर्जी बनाकर भी खा सकते हैं।

विटामिन डी बढ़ाएं - अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा विटामिन डी भी देता है। इसके पीले हिस्से में फैटी एसिड, फैट और विटामिन डी होता है। आप इसे खाकर विटामिन डी की कमी पूरी कर सकते हैं।

विटामिन डी फल फोर्टिफाइड फूड

कुछ खाद्य पदार्थों में विटामिन डी अलग से डाला जाता है। आप मार्केट से संतरे का जूस, सीरियल, ओटमील, दूध आदि खरीद सकते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल विटामिन डी डला हुआ हो।

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है अनार

गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर

हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 3.5 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं । इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कहा जाता है योग का खजाना

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को योग का खजाना कहा जाता है। इसे करने से न सिर्फ हार्मोनल इबैलेंस बल्कि पाचन से जुड़ी कई दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं। ऐसी ही एक एक्सरसाइज का नाम है कपालभाति। आइए जानते हैं कपालभाति प्राणायाम करने से शरीर को मिलते हैं कौन से फायदे।

डाइजेस्टिव सिस्टम को बनाएं मजबूत

कपालभाति डाइजेस्टिव सिस्टम को मजबूत बनाकर गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं में भी राहत देता है।

दिल के लिए अच्छा

कपालभाति प्राणायाम फेफड़ों, स्प्लीन, लीवर, पैनक्रियाज के साथ-साथ दिल के कार्य में सुधार करता है। यह न केवल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है बल्कि धमनी के अवरोध को दूर करने में भी मददगार है।

नर्वस सिस्टम

यह नवर्स सिस्टम यानि तंत्रिका तंत्र के लिए भी बहुत अच्छा प्राणायाम माना जाता है। इसे करते समय होने वाली पंपिंग से ब्रेन के सेल्स में ऑक्सीजन का लेवल बढ़ जाता है। कई महिलाओं को कपालभाति करते समय बीच में उबासी आती है। उबासी आने का मतलब यह है कि ब्रेन के सेल्स बहुत थके हुए हैं और जब ऑक्सीजन जाता है तब वह रिलैक्स हो जाते हैं।

हार्मोंस बैलेंस

यह रिप्रोडक्टिव सिस्टम के लिए भी बहुत अच्छा होता है। इसके नियमित अभ्यास करने से ब्लड की सप्लाई यूट्रस, फैलोपियन ट्यूब और ओवरीज में बढ़ती है, जहां पर साफ-सफाई का काम हो जाता है। जैसे कि पीसीओडी होने पर सिस्ट बन जाते हैं। यह सिस्ट हार्मोनल इंबैलेंस के कारण बनते हैं। लेकिन जब कपालभाति प्राणायाम किया जाता है तब इससे हार्मोंस बैलेंस होते हैं।

ग्लोइंग त्वचा

कपालभाति शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है। जिससे आपकी त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार होता है और त्वचा ग्लोइंग बनती है।

ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है चांदी और पारे से बना शिवलिंग

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

हिन्दू धर्म में शनिदेव को न्यायप्रिय और दंडनायक माना गया है

व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बाथरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल की सेवा में इन नियमों का पालन करना आवश्यक

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी।

आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है। लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है वृंदावन की हर गली और मंदिर

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

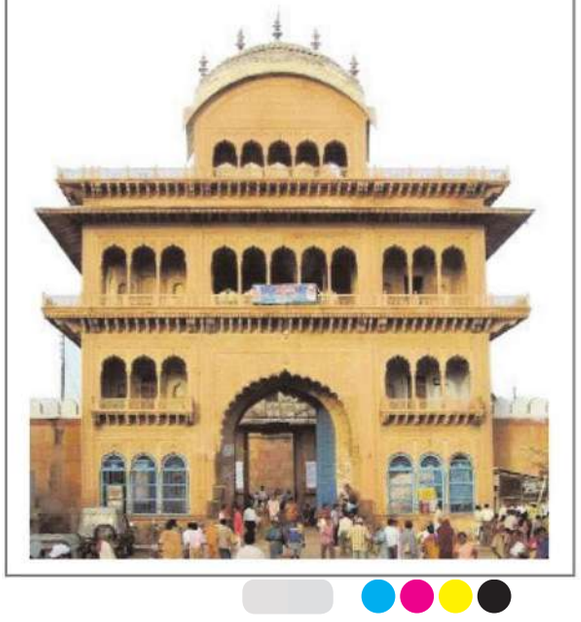

कॅरियर स्विच करने का बना रहे हैं प्लान तो ध्यान रखें ये बातें

कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं। ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

कई बार ऐसा होता है कि लोग कॅरियर में स्विच करते हैं। जिस फील्ड को लोग चुनते हैं, उसको छोड़कर अन्य किसी इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट हो जाते हैं। हालांकि ऐसा फैसला विभिन्न परिस्थितियों में लिया जाता है। कई बार प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए तो कभी अपनी पसंद की प्रोफेशन में जाने के लिए लोग कॅरियर स्विच करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी संबंधित फील्ड को छोड़कर कॅरियर स्विच करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कॅरियर स्विच करने से पहले कुछ जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अगर आप भी कॅरियर स्विच करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले इस बात पर गौर करें कि आप अपने इस फैसले को लेकर कितना श्योर हैं। क्योंकि प्रोफेशन लाइफ में कदम रखने के बाद आप यह बहुत अच्छे से समझ सकते हैं कि इस मोड़ पर कॅरियर स्विच करना कैसा होगा। ऐसे में क्या आप इस फैसले के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। आप चाहें, तो संबंधित फील्ड के अनुभवी और एक्सपर्ट लोगों से सलाह ले सकते हैं। उनकी राय आपको सही फैसला लेने में मदद करेगी।

आप जिस भी फील्ड में जाना चाहते हैं, वहां पर कॅरियर के क्या ऑप्शन हैं, आपका फ्यूचर कितना सिक्योर है और आगे कहां तक प्रोफेशनल ग्रोथ कर पाएंगे। इस सारी बातों पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। इसलिए यह फैसला जल्दबाजी में न लें। बल्कि सोच-समझकर आगे बढ़ें।

सबसे पहले यह चेक करलें कि दूसरे कॅरियर में स्विच करने के लिए आपके पास पर्याप्त क्वालिफिकेशन और स्किल्स हैं या नहीं। अगर आपके पास पर्याप्त स्किल और क्वालिफिकेशन नहीं है, तो पहले यह सोचें कि आप जॉब के साथ क्वालिफिकेशन और स्किल्स को पूरा करेंगे, या फिर छोड़कर।

अगर आप नौकरी के साथ यह करते हैं, तो क्या आप इसके लिए पर्याप्त समय निकाल पाएंगे या नहीं। अगर आप जॉब के साथ इसको नहीं कर पाएंगे, तो क्या आपके पास इसके लिए पर्याप्त सेविंग्स हैं या नहीं। क्योंकि आपको भी नए प्रोफेशनल में सेटल होने में समय लग सकता है। आप जिस भी फील्ड में स्विच करने की सोच रहे हैं, तो उस फील्ड के लोगों के साथ नया नेटवर्क तैयार करने का प्रयास करें। जिससे की आपको उस फील्ड में आने वाली नौकरी के बारे में मालूम हो सके।

शू डिजाइनिंग में बनाएं अपना करियर

आजकल फुटवेयर फैशन काफी ट्रेंड में है। लोग तरह-तरह के शूज और सैंडल पहनते हैं। कहा जा रहा है कि अगले 5 साल तक फुटवेयर इंडस्ट्री में लगभग 1 मिलियन नौकरी होगी। अगर आप भी कुछ यूनीक करियर की खोज रहे हैं या फिर डिजाइनिंग में करियर बनाना है, तो आप शू डिजाइनिंग कोर्स कर सकते हैं।

फैशन के दौर में आजकल ट्रेंडी फुटवियर की काफी डिमांड है। बताया जा रहा है कि लेदर और नॉन लेदर फुटवेयर इंडस्ट्री में अगले पांच साल में 1 मिलियन से भी ज्यादा नौकरियां होंगी।

फुटवियर इंडस्ट्री में करियर ऑप्शन्स क्या है?

- फुटवियर डिजाइनर
- फुटवियर डेवलपर
- रिटेल स्टोर्स मैनेजर
- प्रोडक्शन मैनेजर
- फुटवियर टेक्नीशियन
- फुटवियर मर्चेंडाइजर
- रिटेल मैनेजर
- प्रोडक्ट मैनेजर
- फैशन डिजाइनर
- फुटवेयर डेवलपमेंट मैनेजर

डिग्री व सर्टिफिकेट कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स

- सर्टिफिकेट इन फुटवेयर डिजाइन
- सस्टेनेबल फुटवेयर स्पेशलिस्ट
- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन फुटवेयर मैन्यफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन फुटवेयर डिजाइन

डिग्री

- बैचलर ऑफ डिजाइन
- मास्टर्स ऑफ डिजाइन

तमिलनाडु देश का बड़ा लेदर एक्सपोर्टर इस समय भारत में हाई-क्वालिटी फुटवेयर बन रहे हैं बल्कि एक्सपोर्ट भी किए जा रहे हैं। लेदर, लेदर प्रोडक्ट्स और फुटवियर का 40% एक्सपोर्ट करने वाला तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है।

एआई को अपना दोस्त बनाएं नौकरी का डर होगा खत्म!

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है किए आई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं।

बड़ी कंपनियों में ले-ऑफ की खबरें लोगों को डरा रहा हैं। लोगों का मानना है कि एआई रोजगार के लिए खतरा साबित हो रहा है। हालांकि इस बात में सच्चाई है कि एआई के कारण कुछ नौकरियों पर असर पड़ा है। लेकिन एआई की वजह से ही उससे भी ज्यादा लोगों के लिए मौके भी बने हैं। ह्यूमन टच, क्रिएटिव और स्ट्रैटजिक वाले रोल्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। एक्सपर्ट की मानें, तो अगर आप खुद को अपस्किल करें और थोड़ा सा कॉन्फिडेंस लाएं व एआई को अपना दोस्त बनाते हैं, तो यह तय है कि मार्केट में आपकी डिमांड कभी खत्म नहीं होगी।

कस्टमर सर्विस

पिछले साल एक स्डटी में कहा गया कि एआई से 60% कॉल सेंटर जॉब्स प्रभावित हो सकती हैं।

मार्केटिंग

हालांकि बेसिक डिजिटल मार्केटिंग रोल्स खतरे में हैं, लेकिन क्रिएटिव कैंपेन स्ट्रैटेजी ह्यूमन्स सरक्षित हैं।

हेल्थकेयर

डायग्नोस्टिक्स और रिकॉर्ड-कीपिंग को एआई टूल्स ऑटोमेट कर रहे हैं।

एजुकेशन

ट्यूटर्स और ऑटोमेटेड ग्रेडिंग सिस्टम्स बेसिक टीचिंग असिस्टेंट रोल्स एआई कम करने का काम कर रहा है।

लीगल

कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस और बेसिक रिसर्च को एआई ऑटोमेट कर रहा है। वहीं इसका असर पैरालीगल और जूनियर लॉयर्स पर भी है।

जर्नलिज्म

एआई का असर जूनियर जर्नलिस्ट्स और कॉपी एडिटर्स पर ज्यादा है। एआई कंटेंट मॉडरेशन, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और बेसिक फैक्ट-चेकिंग कर रहे हैं।

मैनेजमेंट

मिड-लेवल और ऑपरेशनल रोल्स को भी एआई प्रभावित कर रहा है। इंटरव्यू शेड्यूलिंग, रिज्यूमे स्क्रीनिंग और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग आदि काम एआई कर रहा है।

फाइनेंस

कई जगह अब एआई टूल्स बेसिक अकाउंटिंग और बजट एनालिसिस को हैंडल कर रहे हैं।

सॉफ्टवेयर

कोडिंग में 40% तक जूनियर रोल्स की मांग घटी हैं। क्योंकि एआई से डेटा क्लीनिंग और बेसिक एनालिटिक्स भी हो रहा है।

खुद को ऐसे करें अपस्किल

- एआई रिपीटिटिव काम करता है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस, क्रिएटिव सॉल्यूशन्स और ह्यूमन टच एआई की पहुंच से बहुत दूर है। ह्यूमन कनेक्शन अभी भी बहुत जरूरी है। इसलिए अपने फील्ड के लोगों से जुड़े रहें, इंडस्ट्री ट्रेंड्स पर नजर रखें और मेंटर्स ढूंढें।
- अगर आप जर्नलिस्ट हैं, तो आपको डेटा जर्नलिज्म, इमोशनल स्टोरीटेलिंग, एआई-बेस्ड रिसर्च टूल्स या मल्टीमीडिया स्टोरीटेलिंग सीखना चाहिए।
- लीडरशिप, स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट और ह्यूमन इंटरेक्शन्स आदि एआई के बस की बात नहीं है।
- अगर आप मैनेजर हैं, तो आपको डेटा-ड्रिवन डिसीजन मेकिंग और एआई टूल्स का इस्तेमाल करना सीखना चाहिए। इसलिए आप अपनी इमोशनल इंटेलिजेंस और कम्युनिकेशन को अधिक शार्प करें।
- सॉफ्टवेयर सेक्टर में सिस्टम आर्किटेक्ट्स, सीनियर डिवेलपर्स और मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट्स जैसे रोल्स अभी भी सुरक्षित हैं।
- क्रिएटिविटी, कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम-सॉल्विंग और स्ट्रैटेजिक थिंकिंग जैसे काम एआई अभी भी नहीं कर सकता है।
- साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड या एआई डिवलपमेंट सीखकर आप मार्केट में बने रह सकते हैं।
- रोजाना के दोहराव वाले काम एआई से कराएं और बचे हुए समय में अपनी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को बढ़ाएं। एआई सारे काम कर सकता है, लेकिन वह लीडरशिप, क्रिएटिव सोच, टीमवर्क और इंसानों जैसी समझ नहीं ला सकता है। इसलिए खुद को इसमे अपस्किल रखें। समय के साथ ही छोटे-छोटे कोर्स करते रहें और एआई टूल्स को रोजमर्रा के कामों में इस्तेमाल करना चाहिए। रूटीन की जगह क्रिएटिव और स्पेशल प्रोजेक्ट पर फोकस रखें। आप जिस भी सेक्टर में हैं, उस सेक्टर के प्रमुख एआई टूल्स पर प्रैक्टिस करते रहें।

स्पेशलिस्ट और एआई बनाएगा परफेक्ट

बड़ी कंपनियों में सीनियर पोजिशन से भी लोगों को निकाला गया, इसका कारण सिर्फ एआई नहीं हो सकता है। जो लोग 8-10 घंटे में कोई काम करते हैं, वह एआई कुछ मिनटों में कर सकता है। लेकिन एआई स्पेशलिस्ट नहीं बन सकता है। यह एक ऐसी स्किल है, जो हमको एआई से आगे रख सकती है। खुद को किसी भी एक चीज में स्पेशलिस्ट बनाएं। इसके साथ ही एआई टूल्स से भी फ्रेंडली रहेंगे तो मार्केट में आपकी डिमांड बनी रहेगी। अपने सेक्टर में नेटवर्किंग अच्छी रखें, खुद की ब्रैंडिंग के लिए क्रिएटिव रहें और हमेशा कुछ न कुछ नया पढ़ते व सीखते रहें। इसके अलावा रेगुलेटर्स और पॉलिसी मेकर्स को यह जरूर सीखना होगा कि पुरानी चीजों को सिखाने की बजाय अब नई चीजों को सिखाने पर जोर देना चाहिए।

अपनी क्रिएटिविटी को बढ़ाएं

एआई टूल्स कैसे जवाब देते हैं और कैसे सोचते हैं। इससे वाकिफ रहना जरूरी है। अगर आप एआई को अपना दुश्मन नहीं बल्कि मेंटर मानें, तो आपका काम आसान रहे। इससे क्वालिटी चेक, प्रोजेक्ट प्लानिंग, बेसिक कंटेंट राइटिंग या डेटा एनालिसिस जैसे काम एआई से कराएं। इससे न सिर्फ आपके समय की बचत होगी, बल्कि उस दौरान खुद को अपस्किल करने में लगाएं। अगर आपके पास किसी इंस्टिट्यूट में जाने का समय नहीं है, तो आप एआई के एक्सपर्ट हो या स्पेशल प्रोजेक्ट के जानकार से चीजें ऑनलाइन सीखें। साथ ही उनसे बातचीत का दायरा बढ़ाएं और क्रिएटिविटी पर फोकस रखें। मार्केट में अपनी नेटवर्किंग बनाएं और अपनी स्पेशिलिटी की ब्रैंडिंग करें।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहल कमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)